mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-227 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
17 अगस्त 2024
शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

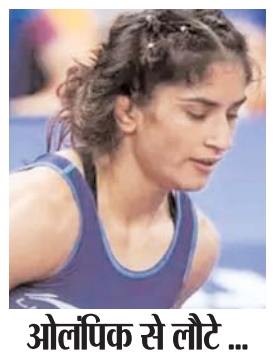

ओलंपिक से लौटे ...
@ पेज 7

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले हो सीएम फेस का ऐलान

उद्धव बोले-पवार साहब और कांग्रेस जिसका नाम तय करेंगे,उसका समर्थन करूंगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा- चुनाव से पहले सीएम फेस का ऐलान होना चाहिए। पवार साहब और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज जिसे भी सीएम बनाएंगे, मैं उनका समर्थन करूंगा। मुंबई में महाविकास अघाड़ी की मीटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि मैं अधिकतम विधायकों वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिलने के फॉर्मूले का समर्थन नहीं करता। महाराष्ट्र सरकार बहनों को 1500 रुपए देने का ऐलान कर रही है, लेकिन इनकी योजनाओं का प्रचार करने के लिए 10 हजार रुपए खर्च कर रही है। सरकार गिराने के लिए 50 खोखे और लड़की बहन को 1500 रुपए। दरअसल, महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। इसे लेकर ही एमवीए की आज मीटिंग हुई। इसमें एनसीपी शरद गुट के चीफ शरद पवार और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण भी शामिल हुए थे। कोरोना सरकार ने हमने काफी काम किया। इसलिए मुस्लिम हमारे साथ आए। मुस्लिम के मन मे भय था, लेकिन मैंने उस वक्त कहा था कि देश को जो प्रेम करेगा उसे जाने नही दूंगा, इसलिए मुस्लिम साथ आए। मोदी नीतिश और चंद्रबाबू नायडू के साथ बैठते हैं, तो क्या अब मान लिया जाए कि उन्होंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। वक्फ बोर्ड ही नहीं, हिंदुओ के मंदिर के मामले में भी जांच होनी चाहिए।

आजकल कन्नौज हेडलाइन में, बीजेपी वाले मिले हुए हैं

नवाब सिंह यादव पर पहली बार बोले अखिलेश यादव

कन्नौज/लखनऊ (एजेंसी)। कन्नौज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव की गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्ष सपा के बीच वार-पलटवार का दौर चल रहा है। एक ओर बीजेपी नवाब सिंह को सपा नेता करार दे रही है, वहीं सपा ने पल्ला झाड़ दिया है। सपा का कहना है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण नवाब सिंह यादव को सपा से निकाला जा चुका है। नवाब सिंह यादव पर नौकरी दिलाने के नाम पर 15 साल की लड़की से दुष्कर्म का आरोप लगा है। इस पूरे मामले में पहली बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपना मुंह खोला है।

अस्पताल में तोड़फोड़ पर 'हाई' हुए हाईकोर्ट के तेवर

● ममता सरकार पर की सत टिप्पणी,बेहतर है अस्पताल बंद कर दिया जाए ● 7 हजार लोग एक साथ पैदल नहीं आ सकते,मरीजों को शिट किया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में लेडी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना के बाद अस्पताल में तोड़फोड़ पर कोलकाता हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। कोलकाता हाई कोर्ट ने कहा है कि बेहतर है अस्पताल को बंद कर दिया जाए और मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए। कोलकाता हाई कोर्ट ने कहा, यह घटना राज्य मशीनरी की पूरी नाकामी का सबूत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। डॉक्टर निडर होकर काम कैसे करेंगे। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि इस घटना के बाद आप क्या कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर क्या कदम उठाए गए थे। हाई कोर्ट में अस्पताल में हुई तोड़फोड़ और सबूत मिटाने की कोशिशें की जांच को लेकर एक याचिका दायर हुई थी। इसमें कार्यवाही की मांग की गई थी। हाई कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर अगर लोग

अस्पताल में घुसते हैं, तो इमरजेंसी की स्थिति में भी पुलिस को वहां रहना पड़ता है लेकिन अगर 7000 लोग एक साथ अंदर आते हैं तो यह मानना मुश्किल है कि यह राज्य सरकार की विफलता नहीं है। हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर 7000 लोग आ रहे थे तो पैदल तो नहीं आ सकते, इसलिए राज्य मशीनरी पूरी तरह से विफल हुई है। वहीं राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत में कहा कि हमने स्थिति को संभाल लिया है। सरकार ने कहा कि आरोपियों की पहचान करके और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि घटना के बाद यह सब क्यों हो रहा है। आपने पहले क्यों उस पर ध्यान नहीं दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर 15 लोग घुसते हैं तो हम समझ सकते हैं, सुरक्षा में चूक हुई है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल की नागरिकता पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सुब्रमण्यन स्वामी

● सरकार से ऐक्शन की मांग, लगाया नरम रुख अपनाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने राहुल गांधी की नागरिकता के मामले में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। स्वामी ने पिछले सप्ताह ही आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। अब उन्होंने अदालत का रुख किया है और मांग की है कि वह केंद्र सरकार को इस मामले में ऐक्शन लेने को कहे। इसके अलावा कोर्ट से मांग की है कि वह केंद्र सरकार से मेरी शिकायत पर स्टेटस रिपोर्ट मांगे। अगस्त 2019 में सुब्रमण्यन स्वामी ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और वहां का पासपोर्ट रखते हैं। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 का उद्धरण देते हुए कहा था कि वह किसी एक देश के ही नागरिक हो सकते हैं। सिटिजनशिप ऐक्ट 1955 का जिक्र करते हुए स्वामी ने कहा था कि उनसे भारत की नागरिकता छीन लेनी चाहिए। संविधान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि यदि कोई नागरिक दूसरे देश की सिटिजनशिप लेता है तो फिर उसे भारतीय नागरिता का त्याग करना होगा। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से राहुल गांधी को 20 अप्रैल, 2019 को एक नोटिस भी भेजा गया था। इस नोटिस का विषय था- नागरिकता के संबंध में शिकायत। स्वामी का कहना था कि ब्रिटेन में पंजीकृत कंपनी बैकलॉप्स लिमिटेड के राहुल गांधी निदेशकों में से एक हैं। उनका दावा था कि कंपनी ने सालाना रिटर्न 2005 और 2006 में फाइल किया था।

यूसीसी पर पीएम मोदी ने कर दिया 'खेला'

● यूनिफॉर्म सिविल कोड पर पीएम ने चल दी 'चक्रव्यूह' वाली चाल ● यूनिफॉर्म की जगह 'सेकुलर सिविल कोड' कह विपक्ष को उलझाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार लाल किले की प्राचीर से यूनिफॉर्म सिविल कोड का जिक्र किया। अब इस बात का जिक्र होना कोई नई बात नहीं है, बीजेपी का तो यह पुराना एजेंडा रहा ही है, साथ ही साथ पीएम मोदी ने भी कई मौकों पर इस मुद्दे को उठा रखा है। लेकिन विपक्ष को चित करने के लिए इस बार पीएम मोदी ने अपने सियासी पिटारे से एक नया तीर छोड़ा है। उन्होंने बड़ी ही चालाकी से इस बार यूनिफॉर्म सिविल कोड को सेकुलर सिविल कोड बता दिया है। इस समय ऐसी चर्चा चल रही है कि पीएम मोदी ने सिर्फ एक शब्द ही तो बदला है, इससे क्या ही असर पड़ जाएगा। उन्होंने सिर्फ यूनिफॉर्म की जगह सेकुलर बोल दिया है, लेकिन अगर ध्यान से समझने की कोशिश हो तो इसे ही

सबसे बड़ी रणनीति माना जाएगा। अगर थोड़ा पीछे चला जाए तो पता चलता है कि बीजेपी को सबसे ज्यादा हमले यह बोलकर होते हैं कि पार्टी सांप्रदायिक है, उसकी तरफ से हिंदू-मुस्लिम किया जाता है। इसी वजह से जब बीजेपी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की बात कही, विपक्ष ने तुरंत इसे 'हिंदू सिविल कोड' की तरह पेश किया, दिखाने की पूरी कोशिश की कि देश की सबसे बड़ी पार्टी अपने पुराने हिंदुत्व वाले एजेंडे पर आगे बढ़ रही है, उसे बस मुस्लिमों को दबाने का काम करना है। अब इस नेरेटिव से लड़ने के लिए ही पीएम मोदी ने बड़ा वाला खेल कर दिया है। स्वतंत्रता दिवस की स्पीच में उन्होंने जानबूझकर इस बार सेकुलर सिविल कोड का जिक्र किया है। सेकुलर का मतलब होता है धर्मनिरपेक्षता।

इसरो की ईओएस-08 सैटेलाइट लॉन्चिंग रही सफल

● सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी से भेजा गया, एक साल का यह मिशन आपदा का अलर्ट देगा

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने देश के सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी-डी 3 से अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट-8 (ईओएस-08) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया। इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने बताया, लॉन्चिंग सफल रही। उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी। यह सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा से बाहर करीब 475 किमी ऊपर स्थापित किया गया। यह एक साल तक काम करेगा। ईओएस-

08 सैटेलाइट का मकसद पर्यावरण और आपदा को लेकर सटीक जानकारी देना है। इससे पहले इसरो ने 15 अगस्त को लॉन्चिंग की तारीख तय की थी। फिर इसे एक दिन बाद लॉन्च किया गया। अंतरिक्ष में भेजे गए ईओएस-08 सैटेलाइट में तीन पेलोड हैं। इसमें इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रारेड पेलोड, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड और एसएसएलवी-डी डोसीमीटर शामिल हैं। इसरो के सबसे छोटे रॉकेट की यह तीसरी लॉन्चिंग है। इससे पहले दो प्रयास (2022 और 2023) हुए थे। जिसमें इसरो को 2023 में सफलता मिली थी, जबकि 2022 में पहली कोशिश नाकामयाब हो गई थी। इसरो का मकसद छोटे सैटेलाइट्स की लॉन्चिंग को डेवलप करने का मकसद छोटे सैटेलाइट लॉन्च करना है।

घाटी में तीन और हरियाणा में एक चरण में होगी वोटिंग

जम्मू-कश्मीर में 18, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोटिंग

हरियाणा की सभी सीटों पर 1 अक्टूबर को वोटिंग,नतीजे 4 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया। जम्मू-कश्मीर में 3 फेज,18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा में एक फेज 1 अक्टूबर को मतदान होगा। दोनों राज्यों में नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा, श्री जेंटलमेन आर बैक। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। देशभर ने चुनाव का पर्व मनाया। लंबी कतारें

दिखीं, बुजुर्ग, यूथ वोट डालने गए। लोकतंत्र का जीवित उदाहरण देश ने देखा। जो तस्वीर भारत ने दुनिया को दिखाई, वो चकित करने वाली थीं। जो चमक हमने देखी, वो बहुत दिन तक दिखाई देगी। जब भी कहीं दुनिया में चुनाव होंगे, आपको अपने देश की याद आएगी और हमारी ताकत की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा,जम्मू-कश्मीर में हमने जिनसे, राजनीतिक दलों से बात की, सबका मत था कि जल्द से जल्द चुनाव हों। आपको याद है कि जो लंबी कतारें लगी थीं, वो जम्हूरियत की ताकत थी।

● चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर फेरबदल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में चुनाव आयोग आज चुनाव की तारीखों के ऐलान करने वाला है। इससे ठीक पहले पुलिस और सामान्य प्रशासन विभाग में बड़े पैमाने पर अफसरों का फेरबदल किया गया है। इन अधिकारियों की संख्या 200 से ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराने हैं। इसलिए आयोग ने 31 जुलाई को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन

से गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला करने को कहा था। गुरुवार देर रात सामान्य प्रशासन विभाग ने तत्काल प्रभाव से 89 तबादलों का आदेश जारी किया। इनमें पुंछ और बांदीपोरा जिलों के डिप्टी कमिश्नर, सचिव, कमिश्नर, महानिदेशक, प्रबंध निदेशक और कई विभागों के निदेशक शामिल हैं। इस ट्रांसफर प्रोसेस का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी अधिकारी अपने होम डिस्ट्रिक्ट में तैनात न रहे। साथ ही उसे किसी एक पद पर 2 साल से ज्यादा समय न बीता हो।

डॉक्टरों पर हमला हुआ तो अब 6 घंटे में होगी एफआईआर

● कोलकाता केस के बाद केंद्र ने अस्पतालों को जारी की गाइडलाइन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर मामले को लेकर देशभर में लोगों के भीतर गुस्सा है। कई जगहों पर डॉक्टर इस मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोलकाता के जिस आरजी कर अस्पताल में यह हादसा हुआ वहां देर रात प्रदर्शन कर रहे लोगों पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। ना सिर्फ डॉक्टरों के साथ मारपीट की गई बल्कि अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई। इस घटना को लेकर केंद्र सरकार सख्त हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से एक गाइडलाइन जारी की गई है। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य संस्थानों को दिशा-निर्देश जारी कर कहा है कि अगर डॉक्टर्स पर हमला या हिंसा होती है तो 6 घंटे के अंदर संस्थानों को संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवानी होगी। इस संबंध में सभी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को मेमो भेज दिया है। मेमोरेंडम के मुताबिक, ड्यूटी पर तैनात हेल्थकेयर वर्कर के साथ मारपीट या किसी भी तरह की हिंसा होने पर अस्पताल/इंस्टीट्यूशन के हेड के ऊपर घटना के 6 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेदारी होगी। कोतकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बुधवार रात कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में घुसकर हमला कर दिया। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट भी सख्त है। कोर्ट ने पूरी घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि राज्य मशीनरी इस मामले में पूरी तरह नाकाम दिखी है। कोर्ट ने सलाह दी है कि बेहतर होगा अस्पताल बंद किया जाए और मरीजों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करें।

70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का हो गया ऐलान

● मनोज बाजपेयी की गुलमोहर बेस्ट हिंदी फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। शुक्रवार को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का अनाउंसमेंट किया गया। इसमें मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर की फिल्म गुलमोहर को बेस्ट हिंदी फिल्म चुना गया है। कांतारा ने बेस्ट एक्टर और बेस्ट फिल्म के अवॉर्ड अपने नाम किए। फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी बेस्ट एक्टर चुने गए हैं। तमिल फिल्म तिरुचित्राम्बलम के लिए नित्या मेनन और गुजराती फिल्म कच्छ एक्सप्रेस के लिए मानसी पारेख बेस्ट एक्ट्रेस बनी हैं। फिल्म ऊंचाई के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड सूरज बड़जात्या को मिला है। इसी फिल्म के लिए नीना गुप्ता ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है।

प्लेबैक सिंगिंग कैटेगरी में ब्रह्मास्त्र के लिए अरिजीत सिंह ने अवॉर्ड जीता है। ये अवॉर्ड उन फिल्मों के लिए दिए गए हैं जिन्हें फिल्म सेंसर बोर्ड ने 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2022 के बीच सेंसर सर्टिफिकेट दिया है। अवॉर्ड सेरेमनी अक्टूबर 2024 में होगी। नेशनल अवॉर्ड विनर को एक मेडल की तरह रजत कमल या स्वर्ण कमल दिए जाते हैं। इसके साथ-साथ नकद पुरस्कार भी दिया जाता है। वहीं, कुछ कैटेगरी में सिर्फ स्वर्ण कमल या रजत कमल ही मिलता है। पिछले साल यह अवॉर्ड अल्लू अर्जुन को मिला था।

संक्षिप्त समाचार

मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर में ई-फाइलिंग और स्कैनिंग सेन्टर शुरू

भोपाल। न्यायपालिका के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में एक आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में आज ई-फाइलिंग और स्कैनिंग सेन्टर का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा ने आज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के माननीय न्यायाधीशों और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं की उपस्थिति में उच्च न्यायालय में ई-फाइलिंग और स्कैनिंग केंद्र का उद्घाटन किया। स्कैनिंग सेन्टर की सुविधा से अधिवक्ता/वादी व्यक्तिगत रूप से नए मामले दाखिल करने के साथ-साथ लंबित मामलों में आवेदन/उत्तर/प्रतिक्रिया/दस्तावेज/वकालतनामा आदि ई-फाइलिंग केंद्र से दाखिल कर सकेंगे। ई-फाइलिंग सेन्टर में वे सभी सुविधाएं मौजूद हैं जो ऑनलाइन मामला दाखिल करने के लिए आवश्यक है। केंद्र में सहायक व्यक्ति या सुविधाकर्ता और स्कैनर जैसी विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। ई-फाइलिंग सेन्टर पूरी तरह से वातानुकूलित है। त्वरित ई-फाइलिंग के लिए वितीय लेनदेन हेतु त्वरित प्रतिक्रिया (क्यू. आर.) कोड प्रदान किया गया है। मुकदमे की ई-फाइलिंग के संबंध में अधिवक्ताओं/वादियों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है. यदि मामला ई-फाइलिंग मोड्यूल द्वारा दायर किया जाता है। यदि प्रकरण में कोई कमी न हो तो इसे दाखिल करने की तिथि से तीसरे कार्य दिवस पर तत्काल सूचीबद्ध किया जाएगा। कमी होने की स्थिति में कमी को हटाने की तिथि से तीसरे कार्य दिवस में सूचीबद्ध किया जायेगा। ई-फाइलिंग सेन्टर मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय में ई-फाइलिंग को अत्यधिक बढ़ावा देगा और इससे सरकारी खजाने का पैसा भी बचेगा जो पहले मामलों को स्कैन करने या डिजिटल बताने में खर्च होता था। इससे कागजी कार्रवाई भी कम होगी और यह पर्यावरण के अनुकूल पहल है।

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सागर में किया ध्वजारोहण ,परेड की सलामी ली

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सागर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री ताराचंद जैन और लोकतंत्र सेनानी एडवोकेट कृष्ण वीर सिंह ठाकुर को शॉल, श्रीफल और पुष्पहार से सम्मानित किया। शासकीय उ.मा.वि., उत्कृष्ट विद्यालय, सीएम राइज उ.मा.वि. सागर, सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल एवं लिटिल स्टार मेमोरियल स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं गईं। खेल युवा कल्याण विभाग के खिलाड़ियों द्वारा मलखंभ का अदभुत प्रदर्शन किया गया। जेएनपीए, जिला पुलिस बल, पुलिस प्रशिक्षण बल मकरोनिया, होम गार्ड सागर, जिला पुलिस बल महिला सागर, 11 एमपी बटालियन एनसीसी बालक, 7 एमपी बटालियन बालिका, शौर्य दल सागर एवं पुलिस बैंड प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों- कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं एवं मार्च पास्ट में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों समूह को पुरस्कृत किया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग में किया ध्वजारोहण

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर राज्य निर्वाचन आयोग में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद सभी ने राष्ट्रगान किया। श्री सिंह ने सभी को स्वाधीनता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह सहित निर्वाचन आयोग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में किया ध्वजारोहण

भोपाल। राष्ट्रीय उत्सव स्वतंत्रता दिवस पर राजभवन में गरिमामय समारोह आयोजित हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने समारोह में ध्वजारोहण किया। खुले आकाश में तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर स्वतंत्रता का जश्न मनाया। समारोह में पुलिस बैंड ने राष्ट्र धुन का वादन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ तिरंगे गुब्बारे खुले आकाश में मुक्त किये। बच्चों एवं कर्मचारियों को मिष्ठान का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज मध्यप्रदेश की सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प कला चंदेरी के बने हुए वस्त्र का साफा धारण कर राजभवन के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए। राजभवन के स्वतंत्रता दिवस समारोह में राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, सदस्य सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्री अमरपाल सिंह, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, परिसहाय द्वय श्री शशांक, श्री अतुल शर्मा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविन्द पुरोहित, विशेष सहायक श्री विपुल पटेल, नियंत्रक हाउस होल्ड श्रीमती शिल्पी दिवाकर, सुरक्षा अधिकारी श्री इंद्रजीत सिंह चावड़ा, जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने मुरैना में किया ध्वजारोहण

भोपाल। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर मुरैना के पुलिस परेड ग्राउण्ड पर आयोजित समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने समृद्धि के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। पुलिस बल द्वारा हर्ष फायर किया गया। स्कूली बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये। समारोह में स्थानीय जन-प्रतिनिधि, नागरिक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर राजभवन में आयोजित हुआ समारोह

भोपाल। राष्ट्रीय उत्सव स्वतंत्रता दिवस पर राजभवन में समारोह का आयोजन हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य आमंत्रित अतिथियों ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं का पारस्परिक आदान-प्रदान किया। राज्यपाल श्री पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व राजभवन पहुंच कर सौजन्य भेंट की। राज्यपाल का मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने आर्मी बैण्ड पचमढ़ी द्वारा स्वागत समारोह में दी गई शानदार प्रस्तुति के लिए सराहना की। बैंड लीडर मेजर डी. प्रभाकरन को ट्रॉफी, बैण्ड के प्रत्येक सदस्य के लिए मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन भोपाल में आयोजित आर्मी बैण्ड, पचमढ़ी के द्वारा प्रस्तुत की गई देशभक्ति, भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय राग और पाश्चात्य संगीत के समिश्रण से बनी मीठी धुनों ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। आर्मी बैण्ड पचमढ़ी अपनी शानदार प्रस्तुतियों के लिए विख्यात है। बैण्ड ने सूडान, चिली, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में विशेष प्रस्तुतियां दीं हैं। बैण्ड में कुल 60 कलाकार सामूहिक वादन में भाग लेते हैं। बैण्ड के तीन, वुडविंड, ब्रास और पर्कशन सेक्शन होते हैं। बैण्ड तीनों सेक्शन के समूहों के समायोजन से संचालित होता है। वुडविंड सेक्शन में फ्लूट, पिकोला, ओबो, क्लैरिनेट, सैक्सोफोन और बैसून जैसे वाद्ययंत्र शामिल होते हैं। ब्रास सेक्शन में हॉर्न, कॉर्नेट, ट्रम्पेट, ट्रॉम्बोन, यूफोनियम और टुबा शामिल हैं। पर्कशन सेक्शन में विभिन्न प्रकार के उपकरण होते हैं, जिन्हें प्रहार या हिलाकर ध्वनि उत्पन्न की जाती है। ग्लोकेन्सपील, जाइलोफोन, वाइब्राफोन, चाइम्स, ड्रम, टिमपनी और कई अन्य वाद्ययंत्र मिलकर एक सुमधुर ध्वनि तरंगें उत्पन्न करते हैं। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम सेनानियों, वीरांगनाओं और वीरों के पोर्ट्रेट की प्रदर्शनी लगाई गई।

स्वतंत्रता सेनानियों के अथक परिश्रम, त्याग और बलिदान का परिणाम है स्वतंत्रता दिवस

भोपाल। सागर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य चिकित्सा मंत्री तथा सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने ध्वजारोहण परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन किया। देश के स्वतंत्रता सेनानियों के अथक परिश्रम, त्याग और बलिदान का परिणामस्वरूप मिली स्वतंत्रता को सागर जिले में बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री ताराचंद जैन और लोकतंत्र सेनानी एडवोकेट कृष्ण वीर सिंह ठाकुर को शॉल, श्रीफल और पुष्पहार से सम्मानित किया। शासकीय उ.मा.वि., उत्कृष्ट विद्यालय, सीएम राइज उ.मा.वि. सागर, सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल एवं लिटिल स्टार मेमोरियल स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं गईं। खेल युवा कल्याण विभाग की खिलाड़ियों द्वारा मलखंभ का अदभुत प्रदर्शन किया गया। समारोह में जेएनपीए, जिला पुलिस बल, पुलिस प्रशिक्षण बल मकरोनिया, होम गार्ड सागर, जिला पुलिस बल महिला सागर, 11 एमपी बटालियन एनसीसी बालक, 7 एमपी बटालियन बालिका, शौर्य दल सागर एवं पुलिस बैंड प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट किया गया। उप मुख्यमंत्री मंत्री श्री शुक्ल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं एवं मार्च पास्ट में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को भी पुरस्कार से सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने जबलपुर में किया ध्वजारोहण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस परेड ग्राउंड जबलपुर में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। श्री देवड़ा ने खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। श्री देवड़ा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। सुरक्षा बल की टुकड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजन तथा लोक तंत्र सेनानियों का शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये।

सागर बीएमसी में सुपर स्पेशलिटी सेवाएं अविलंब शुरू करना मेरी प्राथमिकता

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचे और वहां बनने वाले सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के निर्माण के संबंध में समीक्षा की। इस दौरान विधायक श्री शैलेंद्र जैन एवं बीएमसी डीन डॉ पीएस ठाकुर ने उन्हें विस्तार से प्रोजेक्ट संबंधी जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयुक्त चिकित्सा शिक्षा से भी फोन पर चर्चा कर प्रस्ताव की पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सागर बहुत बड़ा सेंटर है और हम यहां पर मेडिकल की सीट्स 100 से बढ़ाकर 250 करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब सागर जिले का प्रभारी मंत्री हूं और प्रतिमाह यहां आऊंगा। इसलिए बीएमसी के सारे विषय प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने बीएमसी में कैथ लैब, न्यूरोलॉजी एवं कैंसर हॉस्पिटल की प्रगति को जाना और प्लानिंग की समीक्षा की। विधायक श्री जैन ने उन्हें बताया कि रीवा मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब की नई मशीन का ऑर्डर किया गया है, यदि सागर की मशीन भी इसी के साथ आ जाए तो सुविधा रहेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयुक्त चिकित्सा शिक्षा को निर्देशित करते हुए कहा कि सागर की मशीन भी इसी सप्ताह ऑर्डर की जाए, और प्राथमिकता के आधार पर सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज की कमियों को पूरा करते हुए डीपीआर तैयार कर टेंडर जारी करें। इसके अतिरिक्त बीएमसी में एमआरआई मशीन एवम सीटी स्कैन मशीन अविलंब लगाई जाए। रेडियोलॉजी विभाग में सोनोग्राफी के लिए एसआर शिप शुरू करने को लेकर भी चर्चा की जिससे सोनोग्राफी के लिए और भी हैंड मिल सकेंगे। उन्होंने चमेली चौक अस्पताल के जीर्णोधार उपरांत अपग्रेड होने पर वहां भी सामान्य प्रसव शुरू करने के निर्देश दिए। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कलेक्टर श्री संदीप जी आर को जिम्मेदारी देते हुए सीएमएचओ को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेटरनल मोरटेलिटी रेट (एमएमआर) और इंफैंट मोरटेलिटी रेट (आईएमआर) का मुद्दा उठाया और इसे कम करने की दिशा मे काम करने की जरूरत बताई। जिस पर डीन डॉ पी एस ठाकुर ने जानकारी दी कि स्त्रीरोग विभाग में प्राध्यापक के अतिरिक्त पदों पर भर्ती के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है और यह पद भर जायेंगे तो स्त्रीरोग विभाग में पीजी सीट में वृद्धि हो सकेगी साथ ही गर्भवती महिलाओं की बेहतर देखभाल में भी मदद मिलेगी। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने क्रिटिकल केयर यूनिट को बीएमसी अस्पताल की दूसरी मंजिल में खाली पड़ी जगह पर बनाने का सुझाव दिया ताकि उसी के साथ कैंसर अस्पताल के बंकरो का भी निर्माण कर कैंसर मरीजों को इलाज की सुविधा दी जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने न्यूरोसर्जन के पद निर्माण के मुद्दे पर सीएमई श्री तरुण पिथोड़े से बात कर शीघ्र पद जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक के दौरान मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. सुनील सक्सेना की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा कैंसर एवं अन्य बीमारियों में की जा रही सर्जरी का कार्य सराहनीय है।

गौहर महल में 19 अगस्त तक जारी है सावन मेला

भोपाल। भोपाल के गौहर महल में राज्य स्तरीय हस्तशिल्प एवं हाथकरघा प्रदर्शनी एवं सावन मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी एवं सावन मेला 19 अगस्त तक चलेगा। इसमें लगभग 55 से ज्यादा शिल्पकार अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं।

सावन मेले में महिलाओं की अभिरूचि के अनुसार नई डिजाईन की चूड़ियां, मेहदीं, सौन्दर्य सामग्री सहित झूले भी रखे गये हैं। यहां 1930 के दशक की रेशम, किनार, चन्देरी, मसलिन, कॉटन साड़ियाँ, देवी अहिल्या बाई होल्कर नगरी की महेश्वर साडियाँ, मध्यप्रदेश का विशेष बाग प्रिंट जिसे 12 जड़ी बूटियों से प्रिंट किया गया है, सावन मेले में रखी गयी हैं। पंच धातु, बेल मेटल की मूर्तियाँ तथा शिफान, मलबरी, क्रेप तथा कोसा एवं इंडिगो प्रिंट की साडियाँ एवं मटेरियल भी प्रदर्शित किया गया है। यहां बाग अय्यूब खत्री उज्जैन का बटिक प्रिंट विशेष रूप से रखा गया है। ग्वालियर की हस्त-निर्मित सामग्री भी सावन मेले में रखी गई है। मध्यप्रदेश के शिल्पकार स्वनिर्मित उत्पाद लाकर अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। सावन मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। हाथकरघा व हस्तशिल्प की वस्तुयें भी शिल्पी बुनकरों द्वारा विक्रय की जा रही हैं। सावन मेले में हर दिन फैशन शो में चंदेरी, महेश्वर, बाग प्रिंट एवं पारम्परिक परिधान प्रदर्शन किये जा रहे हैं। इस प्लेटफार्म से बुनकरों एवं हस्तशिल्पियों को उनके द्वारा निर्मित सामग्री के विपणन एवं विक्रय के अवसर मिल रहे हैं।

शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र एवं आधार से ई-केवाईसी आवश्यक

भोपाल। सभी आमजन को सूचित किया गया है कि शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमि स्वामियों, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिकों जिनके नाम खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं उन्हें अपने-अपने भू-खण्ड एवं कृषि भूमियों का समग्र आई.डी. एवं आधार कार्ड से ई-केवाईसी कराना आवश्यक है। अगर आप अपनी भूमियों की हेरा-फेरी एवं जमीन संबंधी गड़बड़ियों से बचना चाहते और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषि भूमि को सुरक्षित रखना चाहते हो तो आप सभी अपने नजदीकी सीएससी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमियों, भूखण्डों, प्लाट एवं मकानो की ई-केवाईसी अवश्य करवाएँ और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं और होने वाली धोखाधड़ी तथा असुविधा से बच सकते हैं। ई-केवाईसी के लिए अपने साथ समग्र आई.डी,आधार कार्ड, जन्म तिथि से संबंधित कोई भी दस्तावेज, मोबाईल नम्बर, खसरा नकल साथ में लें जाऐं और शीघ्र अतिशीघ्र केवाईसी करवाएँ। मोबाईल तथा कम्प्यूटर से ईकेवाईसी करने के लिए पर लॉगइन करें। इसके पश्चात समग्र पोर्टल पर क्लिक करें राजस्व महाअभियान अंतर्गत ई-केवाईसी समग्र आईडी प्रविष्टि करें पंजीकृत मोबाइल से प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद भूमि संबंधी जानकारी जैसे जिला, तहसील, ग्राम, खसरा नंबर प्रविष्ट करें तथा नाम सिलेक्ट करें आधार ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद आपका ई-केवाईसी हो जाएगा।

मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ परम्परागत एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

प्रभारी मंत्री ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। देश की आजादी के 78वें स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व पर पूरे जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया। सीधी जिला मुख्यालय पर स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड पर पूरे उत्साह और गरिमामय ढंग के साथ सम्पन्न हुआ जहां समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान राष्ट्रगान का गायन हुआ। तत्पश्चात् प्रभारी मंत्री ने परेड का निरीक्षण किया, इस दौरान कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा भी उनके साथ रहे। मुख्य अतिथि द्वारा समृद्धि के प्रतीक रंगीन गुब्बारे नील गगन में छोड़ने के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया गया, तत्पश्चात परेड द्वारा तीन बार हर्ष फायर किया गया।

शहीदों के परिजनों का पैर छूकर शहादत को किया नमनः समारोह के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने वीर शहीदों के परिजनों तथा लोकतंत्र के प्रहरियों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने जिले के वीर शहीद लांस नायक श्याम लाल सिंह, सिपाही रघुवंश प्रसाद, हविलदार रामरूप तिवारी, हविलदार बृजभूषण तिवारी, सिपाही दिलीप कुमार, जीडीआर ताम्रध्वज सिंह, लांस नायक सुधाकर सिंह, सिपाही धरमपाल सिंह एवं सिपाही रामसिया मिश्रा के परिजनों का पैर छूकर देश के लिए दी गई शहादत को नमन किया।

जिला पुलिस बल के बैंड दल के नेतृत्व में हुआ परेड का आयोजनः मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार जिले में जिला पुलिस बल के बैंड दल को प्रशिक्षित किया गया है। इस वर्ष जिला पुलिस बल के बैंड दल के सुमधुर धुन पर परेड का आयोजन किया गया। परेड के कमांडर सूबेदार वीरेंद्र कुमरे रक्षित निरीक्षक तथा उप कमाण्डर उप निरीक्षक मयंक तिवारी पीसी होम गार्ड थे।

इसमें उप निरीक्षक गया प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में 9वीं वाहिनी विसबल सी कंपनी कैम्प सीधी, उप निरीक्षक तरुण कुमार बेड़िया के नेतृत्व में जिला पुलिस बल सीधी, सहायक उपनिरीक्षक मनसुख लाल के नेतृत्व में जिला होम गार्ड, उपनिरीक्षक मोनिका पाण्डेय के नेतृत्व में महिला जिला पुलिस बल सीधी, सहायक उपनिरीक्षक रजनीश सिंह बघेल के नेतृत्व में वन विभाग सीधी, खेलेश्वर साकेत के नेतृत्व में सीनियर एनसीसी संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी, अमितेन्द्र अग्निहोत्री के नेतृत्व में जूनियर एनसीसी उत्कृष्ट विद्यालय सीधी, आयुष सिंह गहरवार के नेतृत्व में जूनियर एनसीसी गणेश सीनियर सेकेंड्री स्कूल पड़रा सीधी, शुभम सिंह चौहान के नेतृत्व में एकलव्य पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल हड़बड़ो, कु आस्था सिंह चौहान के नेतृत्व में सीएम राइज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी, कु दिव्या पाण्डेय के नेतृत्व में गुरुकुल पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल मड़रिया छात्रा वर्ग, अर्जुन सिंह चौहान के नेतृत्व में गुरुकुल पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल मड़रिया छात्र वर्ग, अम्बिकेश पाठक के नेतृत्व में महारानी लक्ष्मीबाई हाई स्कूल सीधी, अमित शर्मा के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 सीधी, शिवानंद द्विवेदी के नेतृत्व में अबोध बाल शिक्षा निकेतन हाई स्कूल सीधी, कु सोनल भारती के नेतृत्व में शासकीय आदर्श कन्या हा स्कूल सीधी, वैभव सिंह बघेल के नेतृत्व में सरस्वती उमावि मड़रिया सीधी, कु मधु कोल के नेतृत्व में महिला बाल विकास शौर्य दल तथा जिला पुलिस बल सीधी के बैण्ड दल द्वारा आकर्षक परेड का प्रदर्शन कर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। कार्यक्र म में गॉधी विद्यालय के बैण्ड दल द्वारा आकर्षक परेड का प्रदर्शन कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया गया पुरष्कृत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा अपर कलेक्टर राजेश शाही, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.प्रेमलाल मिश्रा सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस दौरान उनके साथ सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा उपस्थित रहे।

सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह की श्रृंखला में सर्वोत्तम परेड सीनियर का पुरस्कार 9वीं वाहिनी विसबल सी कंपनी कैम्प सीधी को दिया गया। परेड सीनियर का द्वितीय पुरस्कार होमगार्ड एवं तृतीय पुरस्कार महिला जिला पुलिस बल सीधी को दिया गया। सर्वोत्तम परेड जूनियर का पुरस्कार जूनियर सीएम राइज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी को दिया गया। परेड जूनियर का द्वितीय पुरस्कार जूनियर महारानी लक्ष्मीबाई हाई स्कूल सीधी एवं तृतीय पुरस्कार गुरुकुल पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल मड़रिया(छात्र वर्ग) को दिया गया।

केशवाही गौशाला में चार मवेशियों की मौत

बारिश के कारण दलदल हो गई जमीन, 100 की क्षमता वाली गोशाला में बंद हैं 300 मवेशी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। बुढार ब्लॉक के केशवाही गौशाला में चार मवेशियों की मौत का मामला सामने आया है। मौत की वजह क्षमता से अधिक मवेशियों का होना और बारिश के कारण गौशाला में दलदल हो जाना बताया जा रहा है।

मवेशियों के पैर धंस जाने से भी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बुढ़ार जनपद के सीईओ मुद्रिका सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। संबंधित अधिकारियों को जांच का आदेश दिया है। प्रतिवेदन आने के बाद ही मौत की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गौशाला में मवेशियों की मौत का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद यह जानकारी बाहर निकलकर आई है। बताया गया कि आए दिन यहां मवेशियों की मौत हो रही है। जवाबदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप हैं, कि गौशाला में मवेशियों की मौत के बाद मृत गोवंशों को गांव के समीप फेंक दिया जा रहा है। जिससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है, और लोग परेशान हो रहे हैं।

गौशाला के अंदर दलदल हैः इस गौशाला की देखरेख का जिम्मा स्थानीय समूह को दिया गया है, नरेंद्र कुमार नामदेव इसकी देखरेख करते हैं। नरेंद्र कुमार नामदेव का कहना है कि बरसात की वजह से गौशाला के भीतर काफी पानी भर गया है और जमीन दलदल बन गई है। जिससे मवेशियों का पैर कीचड़ में फस रहा है। कमजोर मवेशियों की मौत हो रही है। पूर्व में समस्या की जानकारी हमने स्थानीय विधायक को दी थी, लेकिन इस पर कोई कार्य नहीं कराया गया।

क्षमता से अधिक रखे गए हैं मवेशीः पशु विभाग के डॉक्टर और नोडल अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि यह गौशाल मेरे क्षेत्र में आती है ,और मैं समय-समय पर जाकर मॉनिटरिंग करता हूं। क्षमता से अधिक मवेशी यहां अभी भी मौजूद हैं। गौशाला की क्षमता 100 है और मवेशी लगभग 300 है। जिसकी वजह से भी मौत हो रही है। जो मवेशियों कमजोर थे उन चार मवेशियों की अभी मौत हुई है।

रेप के दो आरोपियों को उम्रकैद की सजा

1 साल बाद नाबालिग पीड़िता को मिला न्याय

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नाबालिग से रेप करने के आरोप में सीधी न्यायालय ने शुक्रवार को दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। पीड़ता को 1 साल बाद न्याय मिला।

नाबालिग पीड़िता ने बताया था कि 17 अगस्त 2023 को 4 बजे शाम के समय मै गांव के सरपंच के घर पर मजदूरी का पैसा लेने जा रही थी। तभी रास्ते में दो लड़के काले रंग की बाइक पर जबरजस्ती बैठाकर तेन्दुआ नहर की मेड़ ले गए और जहां पर एक लड़के मेरे साथ गलत काम किया। उसका साथी गाड़ी पास खड़ा होकर आने-जाने वाले लोगों पर नजर रख रहा था।

इसके बाद किसी तरह से मैं उनके जंगल से भाग कर आई और इस घटनाक्रम की जानकारी अपनी मां को दी। जिस पर मां के साथ जाकर कमर्जी थाने में मैंने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

थाना प्रभारी कमर्जी पवन सिंह ने बताया, नाबालिग से रेप मामले में कमालुद्दीन मंसूरी और उसके साथी मोहम्मद आशिक दोनों निवासी हिनौती थाना अमिलिया के रहने वाले हैं। पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज किया गया था। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

कामाख्या लिनेस क्लब ने मनाया स्थापना दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कामाख्या लिनेस क्लब ने वैष्णवी गार्डन में स्थापना समारोह का आयोजन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि सीधी सांसद डॉ.राजेश मिश्रा थे। स्थापना अधिकारी लिनेस अंजू कटारे, सीएम संपदा जिला अध्यक्ष लिनेस दीपा घई अपनी मां के साथ इस कार्यक्र म में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया।

उक्त अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने महिलाओं को एकजुट होने और एक-दूसरे का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों को प्यार के प्रतीक के रूप में इलेक्ट्रिक साइकिलें भी भेंट कीं। वैष्णवी मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से समारोह में मिठास भर दी। स्कूली छात्राओं के एक समूह ने महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव, असम्मान और असुरक्षा के मुद्दों पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को बराबरी का दर्जा देना और उनका सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है।

महिलाओं के बिना इस धरती पर कोई पुरुष और कोई मानव जाति नहीं होगी। महिलाएं हमारी सभी की सृजनकर्ता हैं। समारोह का समापन लिनेस अंजू कटारे और लिनेस दीपा घई के शब्दों से हुआ। लिनेस क्लब कामाख्या की अध्यक्ष लिनेस बीना मिश्रा ने भी समूह के आदर्श वाक्य और एक मजबूत समुदाय के निर्माण के महत्व पर अपने विचार रखे, जहां हम एक-दूसरे का साथ दें और एक-दूसरे का समर्थन करें।

सिद्ध भूमि इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। स्थानीय पनवार स्थित सिद्ध भूमि इंटरनेशनल स्कूलमें 78 वॉ स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं शहीदों को नमन करने के पश्चात प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण करने के पश्चात विद्यालय के बच्चों द्वारा कई रंगारंग संस्कृति कार्यक्र म प्रस्तुत किए गए। जिसमें भारत के कई राज्यों के राजकीय नृत्य, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता एवं देश भक्ति गानों के थीम पर आधारित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए। साथ ही नन्हे-मुन्हें बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया गया।

उक्त प्रतियोगिता में बच्चें स्वतंत्रता सेनानियों के वेश-भूषा में नजर आयें। मुख्य अतिथि ने अपनेउद्बोधन में यह कहा कि आजादी का मतलब किसी भी कार्य को बेपरवाह तरीके से करना नहीं होता है बल्कि आजादी का मतलब यह हैं कि हम नियम एवं सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करें। इस अवसर पर टाटा ग्रुप के प्रबंध निदेशक इंजी. आर.बी. सिंह मुख्य अतिथि के रूपमें शामिल हुए साथ ही सिद्ध भूमिइंटर नेशनलस्कूल की प्रबंध निदेशक रचना राजे सिंह एवं विद्यालय के प्राचाय बैनी मैथ्यू उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में समस्त छात्र-छात्रायें, विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरेराह दिन दहाड़े युवक ने की फायरिंग

पहले हुआ था बच्चों का विवाद, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत शुक्रवार की दोपहर में एक युवक नमाज पढ़ने के बाद घर जा रहा था। तभी महोबा रोड पर पंचवटी ढाबे के सामने एक कार से तीन युवक आए और उन्होंने पहले बाइक में टक्कर मारी। उसके बाद कट्टे से दो फायर किए और मौके से भाग गए। जिसकी जानकारी युवक ने हंड्रेड डायल पुलिस को दी। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि मोहम्मद हनीफ निवासी विश्वनाथ कॉलोनी का रहने वाला है। शुक्रवार की दोपहर 3.30 बजे नवाज पढ़ने के बाद बाइक पर दो बच्चों के साथ घर जा रहा था। अभी एक कार से तीन युवक आए और उन्होंने पहले बाइक में टक्कर मारी उसके बाद गाली गलौज करते हुए कट्टे से दो फायर किए। उसके बाद कार में बैठकर मौके से भाग गए। इसके बाद युवक ने फोन लगाकर डायल 100 पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

हनीफ ने बताया कि कुछ दिन पहले बच्चों का विवाद हुआ था उसके बाद से हम लोगों को यह लोग काफी दिनों से मारने का प्रयास कर रहे थे। जिसकी हम लोगों ने सीट कोतवाली थाने में शिकायत भी की थी। लेकिन थाना पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की आज इम्तियाज ,सनी, आदिल, ने हम लोगों को करने की कोशिश की अवैध कट्टे से दो फायर किए है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजुर ने बताया कि हवाई फायरिंग की सूचना मिली थी। हुसैन नाम का व्यक्ति है अपने बच्चों के साथ नवाज पढ़ने आया था। दो-तीन लोग कार से आए थे। उन्होंने बाइक में टक्कर मारी और हवाई फायर किया। उसके बाद मौके से भाग गए। इस मामले में पुलिस की तरफ से जांच पड़ताल की जा रही है।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण कर सभी को स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व की दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान उपस्थित शासकीय सेवकों ने राष्ट्रगान की सुमधुर ध्वनि में शहीदों के बलिदानों को याद कर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों के निर्वहन के प्रण को सुदृढ़ किया। कलेक्टर सोमवंशी ने सभी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनायें दी तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को संकल्प दिलाया।

कलेक्टर ने कहा कि अपने रोजमर्रा की जिम्मेदारियों तथा भाग-दौड़ में कई बार हम अपने मूल पथ से भटक जाते हैं। इस कारण राष्ट्रीय पर्वों का महत्व हमारे लिए बढ़ जाता है। शासकीय सेवक और देश के नागरिक के रूप में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे। कोई भी व्यक्ति जानकारी या पहुंच के अभाव में योजनाओं के हितलाभ से वंचित नहीं रहे। कलेक्टर ने कहा कि हमें गरीब एवं वंचित वर्ग तक शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पहल करने की आवश्यकता है।

गोपद नदी में मिल रहा फ्लाई एश

स्थानीय लोगों को होने लगी स्किन संबंधित बीमारी, विधायक बोले- प्लांट प्रबंधन को दिए इलाज करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी और सिंगरौली जिले की सीमा पर स्थित निगरी में जेपी प्लांट में सीमेंट का उत्पादन होता है। जिसका कचरा यानी वेस्ट फ्लाई एश के रूप में बाहर निकलता है। जिसके 100% डिस्पोज की जिम्मेदारी प्रबंधन की होती है। लेकिन, प्रबंधन की लापरवाही के चलते यह वेस्ट पहाड़ से पानी के जरिए नाले से होते हुए गोपद नदी में मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक तरफ तो मध्यप्रदेश सरकार नदियों को स्वच्छ और वातावरण को स्वस्थ बनाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। लेकिन सीधी और सिंगरौली जिले में सीमेंट फैक्ट्रियों से निकलने वाला वेस्ट नदियों में डाला जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है।

यह हैं पूरा मामलाः सीधी और सिंगरौली जिले की सीमा पर गोपद नदी से महज 400 मीटर की दूरी पर फ्लाई एश का एक बड़ा स्टोर मौजूद है। जहां 2000 मैट्रिक टन से ज्यादा फ्लाई ऐश मौजूद था। लोगों ने आरोप लगाया कि प्लांट प्रबंधन ने उसे एक छोटे से नाले के माध्यम से बहा दिया और सारा वेस्ट गोपद नदी में जाकर मिल गया। इसके बाद नदी का पानी प्रदूषित हो गया। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी किया था।

निगरी प्लांट से 17 किमी की दूरी पर ग्राम भरसेड़ी में प्लांट के 30 हजार मैट्रिक टन फ्लाई ऐश को फैला दिया गया है। जिसकी वजह से पूरा गांव इस समय फ्लाई ऐश की चपेट में आ गया है। स्थानीय किसान सुखराम बैगा ने बजाया कि इसकी वजह से उनकी खेती नष्ट हो गई है। हवा प्रदूषित होने लगी है।

लोगों को होने लगी स्किन संबंधित बीमारीः उन्होंने बताया कि गांव में बैगा समुदाय की आबादी 250 है, जिनमें से सबसे ज्यादा लोगों को स्किन की बीमारी है। वहीं 8 लोगों को टीबी की बीमारी हो गई है। उन्होंने बताया कि फ्लाई एश के पहाड़ को ढकने के लिए उसके ऊपर से मिट्टी फीलिंग का कार्य कर दिया गया है। जिसकी वजह से मिट्टी का कटाव शुरू हो गया और उसका गंदा पानी अब नदी-नाले और कुएं में भर रहा है। पानी का रंग हरा हो गया है और वह पीने लायक नहीं है।

सुखराम बैगा ने बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन ने बैगा समुदाय से रोजगार देने का झूठा आश्वासन देकर आसपास फ्लाई एश को डंप कर दिया। लेकिन, 8 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक उन्हें रोजगार नहीं दिया गया।

विधायक बोले- प्लांट प्रबंधन को दिए ग्रामीणों का इलाज करने के निर्देशः वहीं सीधी जिले के धौहनी क्षेत्र से विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने मामले पर बताया कि लोगों ने हमें बताया था कि फ्लाई एश को उनके घरों के आसपास फेंक दिया गया है। जिससे उनको परेशानी हो रही है। इसके बाद मैंने सिंगरौली जिले के प्रबंधन को दूरभाष के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी और सभी लोगों के इलाज की व्यवस्था करने की बात कही थी। साथ ही कचरे के उचित निपटान की बात भी कही है।

प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी ने इसे प्राकृतिक आपदा बताया: क्षेत्रीय पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी संजीव मेहरा ने बताया कि यह प्राकृतिक आपदा हैं, जिसकी वजह से बाउंड्री वॉल टूट गई और फ्लाई एश पानी के जरिए नदी में जा रहा है। इसमें जल्द ही सुधार कर लिया जाएगा।

सिंगरौली कलेक्टर बोले- नायब तहसीलदार को मौके पर भेजाः सिंगरौली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने बताया कि बांध टूटने की जानकारी कमिश्नर कार्यालय से प्राप्त हुई थी। जिसके बाद नायब तहसीलदार को टीम के साथ भेजा गया था। जल्द ही उसे निपटान करने की लिए कहा था। ग्राम भरसेड़ी में लोगों का स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी उन्हें नहीं है।

हेड मास्टर ने सीढ़ी पर चढ़कर तिरंगा फहराया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। स्वतंत्रता दिवस पर कतरवारा के सरकारी स्कूल के हेड मास्टर ने सीढ़ी पर चढ़कर झंडा फहरा दिया। ग्रामीणों ने इस पर आपत्ति जताई और वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। हालांकि टीचर का कहना है कि मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर कतरवारा गांव के सरकारी स्कूल में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें बच्चे और ग्रामीण शामिल हुए। सुबह 8 बजे स्कूल के हेडमास्टर राजा बुंदेला ने तिरंगे के रंगों से रंगी पट्टी पर चढ़कर तिरंगा फहराया और उसी पर खड़े होकर राष्ट्रगान भी गाया।

तिरंगा देश की शान है,अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगेः ग्रामीण ब्रिज बिहारी ने आपत्ति जताई। कहा कि अगर शिक्षक ही अनुशासनहीनता करेंगे तो बच्चे उनसे क्या सीखेंगे? तिरंगा हमारे देश की शान है। हम इसका अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। हेडमास्टर राजा बुंदेला के खिलाफ तिरंगे के अपमान के लिए कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं स्कूल के हेडमास्टर राजा बुंदेला का कहना है कि इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं। भूल चूक गलती हुई है। मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया है।

विचार

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है। संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है।

सत्ता हो विपक्ष, राजनीति तो स्वाभाविक है

उमेश चतुर्वेदी

विपक्षी कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार ने बजट को लेकर राजनीति की है। विपक्ष का आरोप है कि इस बजट में नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू ने अल्पमत सरकार को समर्थन देने की कीमत वसूली है। आरोप यह भी है कि सरकार बचाने के लिए बीजेपी ने बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिया है, जबकि अन्य राज्यों को कुछ खास हासिल नहीं हुआ है। आरोप को बढ़ाते हुए विपक्ष यहां तक कह रहा है कि यह पूरे देश का बजट नहीं है। कांग्रेस तो यहां तक कह रही है कि मौजूदा बजट उसके चुनाव घोषणा पत्र की कॉपी है। जहां तक बजट में राजनीति का सवाल है तो शायद ही कोई सरकार या दल होगा, जिसने अपने कार्यकाल में प्रस्तुत बजट में राजनीति ना की होगी। हर राजनीतिक दल की अपनी विचारधारा है, उसका अपना एजेंडा होता है, उसका अपना वोट बैंक होता है। बजट हो या अन्य सरकारी फैसले, हर राजनीतिक दल और सरकार अपने कदम उठाते वक्त उनका ध्यान रखती है। इसके साथ ही हर राजनीतिक दल अपने भावी और लक्षित वोट बैंक को लुभाने के लिहाज से भी फैसले लेता है। हर राजनीतिक दल की चाहत होती है कि उसका मौजूदा वोट आधार बढ़े।

इस लिहाज से भी वह अपने राजनीतिक फैसले लेता है और उसकी सरकारें भी अपनी नीतियां इसी हिसाब से बनाती और बढ़ाती हैं। इस नजरिए से देखें तो अगर मोदी सरकार ने नीतीश और नायडू के राज्यों को कुछ विशेष सहूलियतें दी है तो कोई गलत नहीं है। अगर बिहार बाकी राज्यों की तुलना में पिछड़ा है, वह जनसंख्या पलायन का दंश झेलने को मजबूर है तो हर सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि उस देश के साथ कदमताल करने के लिए बिहार को अगर सहूलियत देनी पड़ी तो दे। मदद का हाथ बढ़ाना पड़े तो बढ़ाए। अगर आंध्र प्रदेश को भी मदद की दरकार हो तो मिलनी चाहिए। सिर्फ बिहार और आंध्र ही नहीं, जो राज्य पिछड़ा है, उसे आगे लाने और उसे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मदद की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। अव्वल तो हम देश को एक इकाई के तौर पर देखने का दावा करते हैं। अपना संविधान नागरिक को देश की मूल इकाई घोषित करता है। इस लिहाज से हर नागरिक बराबर है। लेकिन आर्थिक और सामाजिक नजरिए से देखें तो हर नागरिक बराबरी की बेंच पर नहीं बैठा है। समान मतदान और कानून के सामने बराबरी के अधिकार ने एक हद तक बराबरी की इस अवधारणा को जिंदा जरूर रखा है। यह बात और है कि अक्सर अमीर और गरीब के लिए कानूनी पेच और प्रक्रियाएं, यहां तक कि न्यायिक अवधारणा भी बदल जाती है। इन बातों को छोड़ दें तो कम से कम आर्थिक आधार पर बराबरी की ओर बढ़ने की कोशिश होनी चाहिए। प्रशासनिक सहूलियत और सांस्कृतिक आधार पर हमने राज्य गठित कर लिए तो इसका यह मतलब नहीं कि उनकी असमानताओं को अनदेखी की जाए। किसे नहीं पता है कि बिहार के उत्तरी हिस्से में हर साल कोसी नदी प्रलय लेकर आती है। जिससे तकरीबन आधार बिहार नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर रहता है। इसी तरह समूचे देश को पता है कि तेलंगाना के अलग होने के बाद हैदराबाद आंध्र की राजधानी नहीं रहा। उसे राजधानी बनाने के लिए संसाधन चाहिए ही होंगे। इसलिए अगर बिहार और आंध्र को सहूलियतें कुछ ज्यादा मिली भी हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से देखने की बजाय जमीनी हकीकत के लिहाज से समझा जाना चाहिए। वैसे यह भी अर्ध सत्य ही है कि बाकी राज्यों को बजट में कुछ नहीं मिला। जबकि इस बजट में अगर रेल परियोजनाएं हैं, अगर कृषि बजट को सवा लाख करोड़ से बढ़ाकर एक करोड़ 52 लाख करोड़ कर दिया गया है, अगर सड़क परियोजनाओं की बाढ़ लाई गई है, अगर केंद्रीय करो में राज्यों का हिस्सा बढ़ाया गया है तो इससे किसी एक ही राज्य का भला नहीं होना है, बल्कि देश के हर राज्य को भला होना है। बजट में आदिवासी लोगों के लिए बजट में वित्त मंत्री पूर्वोदय योजना लेकर आई हैं। जिसके जरिए झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। झारखंड को एक और योजना का सीधा फायदा मिलेगा। बजट प्रस्तावों में 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' योजना भी लायी गई है। आदिवासी गांवों और लोगों के विशेष विकास के लिए विशेष रूप से डिजाइन इस योजना का फायदा उन सभी राज्यों को मिलना है, जहां आदिवासी आबादी है। झारखंड में जहां 27 फीसद आबादी जनजातीय है। वहीं उसके पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में करीब 32 फीसद आबादी जनजातीय समुदाय की है। 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के दायरे में 63 हजार गांवों को लाया जाना है। जिससे सीधे तौर पर पांच करोड़ जनजातीय लोगों की जिंदगी बदलने की कोशिश की जानी है। जाहिर है कि इसका फायदा उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के साथ कांग्रेस शासित तेलंगाना को भी मिलेगा, क्योंकि इन्हीं राज्यों में देश का सबसे ज्यादा जनजातीय आबादी रहती है।

शत्रुता के लम्बे चक्र में फंसे भारत और पाकिस्तान

-मनीष तिवारी

जम्मू में हाल ही में हुए आतंकी हमलों ने एक बार फिर भारत-पाक संबंधों की भयावह प्रकृति पर ध्यान केंद्रित किया है, जो विभाजन और चार युद्धों अर्थात् 1947, 1965, 1971 और 1999 की विनाशकारी विरासत से प्रभावित है। 1970 के दशक के उत्तरार्ध से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद पहले पंजाब में, फिर जम्मू और कश्मीर में और बाद में पूरे भारत में संबंधों के लिए एक बोझ बन गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर बलूचिस्तान में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाता है। एक ऐसा आरोप जिसे वह किसी भी हद तक विश्वसनीयता या दृढ़ विश्वास के साथ साबित करने में विफल रहा है। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में भारत-पाक संबंधों में एक उल्लेखनीय लेकिन क्षणिक चरण देखा गया, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के बीच कूटनीतिक जुड़ाव देखा गया। उनके प्रयास, भले ही नेक इरादे वाले थे, लेकिन जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित गहरी अविश्वास और बढ़ती ड्डशहसा के कारण वे दब गए।

इस अवधि में कश्मीर घाटी में उग्रवाद का पुनरुत्थान देखा गया, जिसमें पाकिस्तान ने अलगाववादियों को समर्थन दिया, जिससे द्विपक्षीय वार्ता में तनाव पैदा हुआ और सियाचिन ग्लेशियर के विसैन्यीकरण और सर क्रीक मुद्दे पर बातचीत को प्रभावी रूप से रोक दिया गया, जिन्हें उस समय समाधान के दायरे में आसानी से हल किया जा सकने वाला मुद्दा माना जाता था। 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री आई.के. गुजराल ने गुजराल सिद्धांत के माध्यम से दक्षिण एशिया के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण पेश किया, जिसमें क्षेत्रीय सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए गैर-पारस्परिक रियायतों की वकालत की गई। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य पाकिस्तान के साथ भी विश्वास और सहयोग का निर्माण करना था। हालांकि, दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य बदल गया, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों देशों ने परमाणु परीक्षण किए। 1998 के परमाणु परीक्षणों ने शक्ति के संतुलन को अस्थिर कर दिया, जो जल्द ही 1999 में कारगिल संघर्ष से बाधित हो गया। पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने कारगिल क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की, जिससे एक तीव्र संघर्ष हुआ। भारत द्वारा अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के साथ संघर्ष समाप्त हो गया, लेकिन इसने परमाणु खतरे के तहत पारंपरिक युद्ध के निहित जोखिमों को उजागर किया। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल (2001-2002) शांति पहल और बढ़े हुए तनाव के बीच उतार-चढ़ाव से चिह्नित था। 1999 का लाहौर शिखर सम्मेलन, जिसमें वाजपेयी अपने समकक्ष नवाज शरीफ से मिलने के लिए लाहौर बस से गए थे, एक उच्च बिंदू था, जो संवाद के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था। हालांकि, आशावाद अल्पकालिक था, क्योंकि कारगिल संघर्ष और 2001 में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा भारतीय संसद पर हमले ने ऑपरेशन पराक्रम की शुरूआत की, जो एक विशाल सैन्य लामबंदी थी जिसने दोनों देशों को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया। इस अवधि ने शांति प्रयासों की नाजुक प्रकृति को उजागर किया, जो आतंकवाद के कृत्यों और अंतर्निहित अविश्वास से आसानी से बिखर जाता है। 2003 में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) पर औपचारिक युद्धविराम समझौते के साथ आशा की एक किरण फिर से दिखाई दी। दोनों देशों ने शत्रुता में सापेक्ष कमी देखी और दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों और बस सेवाओं की बहाली सहित कई विश्वास-निर्माण उपाय किए गए। वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान शुरू हुई सक्रिय बैक चैनल वार्ता इस अवधि के दौरान भी जोश के साथ जारी रही। फिर से, 2008 में 26/11 मुंबई हमलों ने इस नाजुक शांति को हिंसक रूप से बाधित किया, जहां पाकिस्तान के आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी पर विनाशकारी हमला किया। हमलों ने न केवल एक गहरा घाव छोड़ा, बल्कि आतंकवाद के लगातार खतरे और स्थायी शांति को बढ़ावा देने में अपार चुनौतियों को भी उजागर किया। मुंबई हमलों के बाद, द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण बने रहे, जिसमें विश्वास की कमी भी काफी हद तक देखी गई। 2013 में नवाज शरीफ के चुनाव ने आशावाद का एक संक्षिप्त पुनरुत्थान पेश किया। दोनों नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों के दौरान मुलाकात की और संबंधों को बेहतर बनाने की पारस्परिक इच्छा व्यक्त की। हालांकि, बार-बार संघर्ष विराम उल्लंघन और पाकिस्तान में गहरे राज्य की प्रवृत्ति ने आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के रूप में न अपनाने की प्रवृत्ति को आगे की प्रगति में बाधा उत्पन्न की। 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के आगमन ने भारत-पाक संबंधों में एक नए चरण की शुरूआत की।

23 साल पूर्व जब राजनाथ सरकार के ऐसे ही फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी थी रोक

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बैंच ने अपने ऐतिहासिक फैसले में अनुसूचित जातियों को मिलने वाले आरक्षण प्रक्रिया मे बड़ा बदलाव करते हुए अनुसूचित जातियों में अति पिछड़ी अनुसूचति जातियों को चिन्हित करके उन्हें फायदा पहुंचाने के लिये कोटा में कोटा का जो आदेश पारित किया है। वह हिन्दुस्तान में लम्बे समय से चल रही आरक्षण की सियासत में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। अभी इस पर बीजेपी को छोड़कर किसी भी दल के बड़े नेता की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, फिलहाल सिर्फ बीजेपी ही अनुसूचित जातियों को कोटे में कोटा देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से गद्गद है और उसके शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान द्वारा इसे सत्य की जीत बताया गया है। सबसे खास बात यह है कि पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण में जैसे क्रिमी लेयर को बाहर रखा जाता था, वैसे ही अब एससी/एसटी को मिलने वाले आरक्षण में भी क्रिमी लेयर लागू होगी। बहरहाल, यूपी में ऐसा ही प्रयास 23 साल पूर्व 2001 में उत्तर प्रदेश की तत्कालीन भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने भी किया था, जिस पर राजनाथ सिंह सरकार में ही राज्य मंत्री और शिकोहाबाद से विधायक अशोक यादव अपनी ही सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले गये थे और तब सुप्रीम कोर्ट ने उनके (राजनाथ सरकार) फैसले पर रोक लगा दी थी जिसे अब उसने कानून बना दिया है। अब राजनाथ सिंह मौजूदा केंद्र सरकार में गृहमंत्री हैं। राजनाथ सरकार ने अन्य पिछड़ी जाति और अनुसूचित जाति के समूहों को उप समूहों बांटकर तय आरक्षित कोटे में विभाजन का प्रयास किया था। राजनाथ सरकार ने जो समूह बनाए थे वे आय आधारित क्रीमी लेयर या नॉन क्रीमी लेयर जैसे नहीं ?थे, बल्कि कई जातियों को आरक्षण के दायरे से ही बाहर करने का प्रयास किया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने राजनाथ सरकार की कोशिशों पर पानी फेर दिया था, और उनके प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। उस समय उत्तर प्रदेश की राजनाथ सिंह सरकार ने पिछड़ी जातियों के 27 फीसदी कोटे में यादव, अहिर और यदुवशियों का कोटा 5 फीसदी तय किया था, जबकि अनुसूचित जातियों और जनजातियों के 21 फीसदी कोटे में जाटव, चमार और धुसिया जातियों का कोटा 10 फीसदी तय किया ?गया था। अनुसूचित जनजातियों का कोटा घटा कर दो से एक फीसदी कर दिया गया था, ताकि प्रदेश में कुल कोटा 50 फीसदी तक ही बना रहे। राजनाथ सरकार के फैसले का राजनीतिक दलों समेत जाति समूहों ने भी कड़ा ?विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट उस फैसले को रद्द कर चुका है, हालांकि राजनाथ सिंह की निजी वेबसाइट पर ये एक उपलब्धि के रूप में दर्ज है। बता दें जून, 2001 में राजनाथ सिंह एक समिति बनाई थी, जिसे उन्होंने 'सामाजिक न्याय समिति' नाम दिया था। यूपी सरकार के तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री हुकुम सिंह को इसका अध्यक्ष बनाया गया था, स्वास्थ्य मंत्री रमापति शास्त्री और विधान परिषद सदस्य दयाराम पाल सदस्य थे। समिति को ये पता करने जिम?मेदारी दी गई थी कि आरक्षण का लाभ उन्हें मिल पा रहा है या नहीं, जिन्हें इनकी आवश्यकता है। समिति को आरक्षण नीति में बदलाव की सिफारिशें देने का निर्देश भी दिया गया था। भाजपा सरकार ने ये फैसला 'आरक्षण न?ीतियों की गड़बड़ियां' दूर करने के लिए किया था। सामाजिक न्याय समिति ने 60 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंप दी। भाजपा सरकार ने उसके बाद एक सामाजिक न्याय (30 जुलाई से 6 अगस्त, 2001)

सप्ताह मनाया, जिसमें समिति के सुझावों पर राय मांगी गई ?थी। राजनाथ सरकार ने उस समय सरकार नौकरियों में जातियों के कुल प्रतिनिधित्व का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण भी कराया था। उस सर्वे के बाद राजनाथ सरकार ने ये नतीजा निकाला था कि आरक्षण अधिकांश लाभ ?पिछड़ी जातियों में यादवों को और अनुसूचित जातियों में जाटव, चमार और धुसिया को ही मिल रहा है। इन्हीं नतीजों के बाद यादवों और जाटवों को आरक्षण सी?मित कर दिया गया था। दरअसल, हाल में आरक्षण में कोटे में कोटा पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला उस समय आया जब सात जजों की संविधान पीठ ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश मामले में 2004 के उसके फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत है या नहीं, पर विचार कर रह थी, जिसमें माना गया था कि अनुसूचित जातियों के बीच किसी तरह का उप-विभाजन नहीं हो सकता। ताजा फैसला उन राज्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा जो प्रमुख अनुसूचित जातियों की तुलना में आरक्षण के बावजूद को आरक्षण का व्यापक लाभ देना चाहते हैं। कोर्ट के इस तथ्य पर मुहर लगाने के बाद कि ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य यही बताते हैं कि अनुसूचित जातियां एक समरूप वर्ग नहीं हो सकतीं, राज्यों को आरक्षण पर अपने हिसाब से कानून बनाने का मौका मिल सकेगा। उप-वर्गीकरण रणनीति का पंजाब में वाल्मीकि और महजबी सिखों, आंध्र प्रदेश में मडिगा के अलावा बिहार में पासवान, यूपी में जाटव और तमिलनाडु में अरूंधतिर समुदाय पर सीधा असर पडेगा। इस मामले में शीर्ष कोर्ट की पीठ ने 8 फरवरी 2024 को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। उस समय अदालत ने कहा कि उप-वर्गीकरण की अनुमति न देने से ऐसी स्थितियां उत्पन्न होंगी, जिसमें इस वर्ग के सम्पन्न लोग ही सारे लाभ हड़प लेंगे। बता दें इससे पहले, 2004 में पांच न्यायाधीशें की पीठ ने फैसला दिया था कि यह अधिसूचित करने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को ही है कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत किस समुदाय को आरक्षण का लाभ मिल सकता है। राज्यों को इसमें किसी भी तरह के संशोधन का अधिकार नहीं है। तब पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने आंध्र प्रदेश सरकार की तरफ से वर्ष 2000 में लाए गए इसी तरह के एक कानून को रद्द कर दिया।

ई.वी. चिन्नैया मामले में शीर्ष कोर्ट ने आंध्र प्रदेश अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) अधिनियम, 2000 को समानता के अधिकार का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह.एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधान सम्मत बताया वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई जैसी ओबीसी आरक्षण में है सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह.एक के बहुमत से एससी.एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बतायाए वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू बात अभी आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले की कि जाये तो सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधान सम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया एच.आई.वी./ एड्स के रोकथाम की जन-जागरूकता हेतु सघन प्रचार-प्रसार कार्यक्रम (आईईसी) का शुभारंभ

एचआईवी और यौन संचारित संक्रमणों के बारे में आम जनता विशेषकर युवाओं के ज्ञान के स्तर को बढ़ाने के लिए है गहन आईईसी अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रायपुर के कालीबाड़ी स्थित डी बी गर्ल्स कॉलेज में गहन आईईस अभियान का शुभारंभ किया गया है। जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शिरकत की और युवाओं से अपने साथियों और अपने समुदाय में जागरूकता का संदेश फैलाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के सुझावों के अनुसार, राज्य भर में एचआईवी और यौन संचारित संक्रमणों के बारे में आम जनता विशेषकर युवाओं के ज्ञान के स्तर को बढ़ाने के लिए गहन आईईसी अभियान शुरू किया गया है। इस मौके पर जायसवाल ने एड्स की रोकथाम हेतु जन जागरूकता रथ वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को विशेष रूप से एचआईवी और एसटीआई के बारे में जागरूक करना तथा एच.आई.वी./ एड्स संक्रमितों के प्रति होने वाले भेदभावों को कम करना है ।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के माध्यम से राष्ट्रव्यापी एच.आई.वी./ एड्स के रोकथाम की जन-जागरूकता हेतु सघन प्रचार-प्रसार कार्यक्रम (आईईसी) आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे शहरी तथा ग्रामीण नागरिकों एवं युवाओं को जागरूक किया जा सके ताकि एच.आई.वी./ एड्स संक्रमण पर नियंत्रण एवं रोकथाम किया जा सके ।

छत्तीसगढ़ में आज से राज्य स्तरीय एच.आई.वी/एड्स के रोकथाम हेतु सघन प्रचार-प्रसार कार्यक्रम शुरू किया गया, जो कि विशेषकर पांच जिलों रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर एवं सरगुजा के गांव-गांव में किया गया। इसके माध्यम से शहरी तथा ग्रामीण जन को जागरूक किया जा सकेगा।

इसके लिए राज्य में कला दलों के माध्यम से विशेष कार्यक्रम, विभागीय कर्मचारियों, पीयर एजुकेटर, परामर्शदाताओं आदि के माध्यम से ग्राम स्तर पर परिचर्चा, उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से सभी कॉलेजों तथा हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से ग्राम सभा में परिचर्चा, नगरीय प्रशासन विभाग के सहयोग से स्ट्रीट वेंडरों का संवेदीकरण तथा युवाओं तक पहुंचने के लिये एड्स नियंत्रण के सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एस.एम.एस., दूरदर्शन, आकाशवाणी, एफ.एम. चैनलों, साइकिल बाइक रैली, युवाओं की रैली के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु समय-सारणी जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक वर्ष मतदाता सूची के संबंध में वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आयोजित किया जाता है। इस वर्ष के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय-सारणी आयोग द्वारा जारी कर दी गई है। पूरी प्रक्रिया 20 अगस्त 2024 से प्रारंभ होकर 06 जनवरी 2025 को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के साथ समाप्त होगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला एमसीबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऐसे मतदाता जो 01 जनवरी 2025 के सापेक्ष अपनी आयु 18 वर्ष पूर्ण कर रहे हों, वे मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु दावापत्ति 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अब अर्हता तिथि 1 जनवरी के साथ 1 अप्रैल, 1 जुलाई व 1 अक्टूबर 2025, को भी 18 वर्ष पूर्ण होने वाले नागरिक मतदाता पंजीयन हेतु अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में एम.सी.बी. जिले अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत के 232 मतदान केन्द्र एवं 02 मनेन्द्रगढ़ में 156 मतदान केन्द्र तथा भरतपुर-सोनहत में कोरिया जिले के सोनहत तहसील के आंशिक 78 मतदान केन्द्र शामिल हैं। वर्तमान में दोनों विधानसभा क्षेत्रों के एमसीबी जिले के कुल 388 मतदान केन्द्रों में कुल 2,77,460 मतदाता हैं, जिनमें 3,806 दिव्यांग एवं 6 थर्ड जेंडर शामिल हैं। कोरिया जिले के आंशिक 78 मतदान केन्द्रों को मिलाकर 466 मतदान केन्द्रों में कुल 3,14,140 नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि 20 अगस्त से सभी बूथ लेवल अधिकारी डोर-टू-डोर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और इस दौरान मतदाताओं व अन्य आवश्यकताओं को देखते हुए नए मतदान केन्द्रों का प्रस्ताव किया जा सकेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों एवं राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने की प्रक्रिया में मतदाता सूची को शुद्ध करने हेतु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए मतदाता सूची में अपना नाम पंजीकृत कराएं। आम नागरिकों की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप जारी किया गया है, जिससे आम नागरिक मतदाता का पंजीयन, सुधार, अथवा स्थानांतरण सहित अन्य मतदाता संबंधी सभी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

थाना प्रभारी और प्रधान आरक्षक सस्पेंड

बैंक में हुआ था करोड़ों का फर्जीवाड़ा, आरोपियों ने एफआईआर में मास्टरमाइंड का नाम ही नहीं लिखा

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (बिलासपुर) एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में करोड़ों की धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे थाना प्रभारी और प्रधान आरक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक शाखा रामानुजगंज में किसानों के नाम पर चष्टष्ट लोन के बहाने बैंक कर्मचारियों ने करोड़ों रुपए निकाल लिए थे।

मामले की जांच कर रहे थाना प्रभारी ललित यादव और प्रधान आरक्षक पर एफआईआर में छेड़छाड़ की थी। सरगुजा आईजी ने कार्रवाई करते हुए दोनों को निलंबित कर दिया है।

1 करोड़ 33 लाख रुपए का गबन: बैंक के मैनेजर और कैशियर ने चष्टष्ट लोन के नाम पर किसानों के बगैर जानकारी दिए करीब 1 करोड़ 33 लाख रुपए राशि निकाल लिए थे। रामानुजगंज पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था।लेकिन इस कार्रवाई से शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने इसकी शिकायत आईजी से की।

मास्टरमाइंड का एफआईआर में नाम ही नहीं लिखा: आईजी ने जांच टीम गठित की। जहां जांच में पाया गया कि रामानुजगंग थाना प्रभारी ललित यादव और प्रधान आरक्षक उमेश यादव ने एफआईआर में छेड़छाड़ की। आरोपियों ने मुख्य आरोपी तत्कालीन बैंक प्रबंधक का इस मामले में कहीं नाम ही नहीं लिया। न नहीं उसे गिरफ्तार किया गया। फिलहाल, मास्टरमाइंड की तलाश की जा रही है।

इंजेक्शन लगाते ही खून की उल्टी...महिला ने तोड़ा दम

'झोलाछाप' के इलाज से एक और मौत, महीनेभर में 3 की गई जान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में उपचार के दौरान महिला को खून की उल्टी होने लगी और फिर उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि 'झोलाछाप' के इंजेक्शन लगाने से उसकी मौत हुई है। परिजनों ने थाने में शिकायत दी है।मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कलमीटार निवासी रेखा बिंझवार (35) पति लक्ष्मी बिंझवार दो-तीन दिन से सर्दी-बुखार से पीड़ित थी। इस पर पति लक्ष्मी ने उसे गुरुवार को गांव में ही क्लिनिक चलाने वाले कथित डॉक्टर सत्यजीत गोलदार को दिखाने के लिए ले गया।

इंजेक्शन लगाने के बाद खून की उल्टी: रेखा के पति लक्ष्मी का आरोप है कि डॉक्टर ने उसे 2 इंजेक्शन लगाया। इसके बाद रेखा बदहवास सी हो गई। उसकी सांसें फूलने लगीं। कुछ देर में खून की उल्टियां होना शुरू हो गई। इस पर वह घबरा गया। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां उपचार के दौरान रेखा ने दम तोड़ दिया।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चलाता है क्लिनिक: बताया जा रहा है कि, कथित डॉक्टर सत्यजीत गोलदार मेडिकल स्टोर संचालित करता है। इसकी आड़ में उसने क्लिनिक खोल लिया है। वहां आसपास के गांव के लोगों का इलाज करता है। महिला की मौत की खबर मिलते ही वह क्लिनिक बंद कर भाग गया है।

पुलिस बोली- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई: रतनपुर थाना प्रभारी रजनीश सिंह ने बताया कि झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से महिला की मौत की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अफसर और स्छरू ने दी है। मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमॉर्टम कराया गया है। रिपोर्ट में मौत के कारण सामने आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देश के बाद भी एक्शन नहीं: हाल ही में कोटा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से मलेरिया पीड़ित 2 बच्चों की मौत हो गई थी, जिसके बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई कर 45 से अधिक क्लिनिक सील करने की बात कही गई थी। इसके बाद कार्रवाई बंद हो गई।

अब तक 4 बच्चों की जा चुकी हैं जान: बिलासपुर में झोला छाप डॉक्टरों ने इलाज के नाम पर 4 बच्चों की जान जा चुकी है। इनमें 2 बच्चों का मलेरिया का इलाज कर रहे थे। बच्चों की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम में पता चला कि उन्हें मलेरिया था ही नहीं। इसके बाद जिला प्रशासन ने 45 झोला छाप डॉक्टरों के क्लीनिक और अस्पताल सील किए हैं।

पुरानी रंजिश के चलते महिला की हत्या

घर में घुसकर पड़ोसी ने साड़ी से गला घोंटा, बोला- तानों से परेशान था

मीडिया ऑडीटर, बलोदा बाजार एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में एक अधेड़ महिला की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पुरानी रंजिश और तानों से परेशान होकर पड़ोसी ने महिला को मौत के घाट उतार दिया। मामला पलारी थाना क्षेत्र का है।

महिला घर में अकेले थी, इसका फायदा उठाकर पड़ोसी जोगी राम यादव (52) ने जानकी कनोजे (45) का गला घोंट दिया था। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। जांच के दौरान पुलिस को पड़ोसी जोगी राम यादव पर शक हुआ।

वारदात के समय खेत गए थे परिवार के सदस्य: पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। मृतिका जानकी कनोजे (45) पति लेखराम कनोजे के साथ बलौदी गांव में रहती थी। जब वह बुधवार को सुबह घर पर अकेली थी, तभी यह घटना हुई। घर के सारे लोग खेत में काम करने गए थे। आरोपी ने महिला का गला उसी की साड़ी से घोंटकर लाश कोटने में फेंक दिया था।

महिला के प्राइवेट पार्ट में डाली लकड़िया

सड़क किनारे झाड़ियों में मिला अर्धनग्न शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा निप्र। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में शुक्रवार को एक महिला का अर्धनग्न शव घर से करीब एक किमी दूर झाड़ियों में मिला है। महिला के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी के टुकड़े मिले हैं। ऐसे में आशंका है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महिला की उम्र करीब 55 साल बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में एक संदेही को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

शाम को घर से निकली थी महिला: जानकारी के मुताबिक, स्थानीय निवासी महिला गुरुवार शाम करीब 8 बजे किसी काम से घर से निकली थी। इसके बाद वह नहीं लौटी। परिजनों का कहना था कि पहले कहीं चली जाती थी तो देर से लौट भी आती थी। महिला शराब पीने की आदी थी। उसे किसी युवक के साथ जाते हुए देखा था।

परिजनों ने बताया कि, जब काफी रात होने के बाद भी नहीं लौटी तो उसे तलाश करने निकले, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि सड़क किनारे झाड़ियों में महिला का शव पड़ा हुआ है। इस पर पुलिस पहुंची और शव की शिनाख्त कराई।

दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका: पुलिस ने बताया कि, जिस हालत में शव बरामद हुआ है, उससे दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म का पता चल सकेगा। घटनास्थल पर **राजस्थान पत्रिका** विवेक शुक्ला पहुंचे हुए थे। उन्होंने पोस्टमॉर्टम को बारीकी से जांच करने कहा है। वहीं पुलिस ने संदेही को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

जिले में अब तक 786.2 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 16 अगस्त 2024 तक 786.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 894.6 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 678.7 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है।

इसके अलावा तहसील केल्हारी में 893.9 मिमी, तहसील चिरमिरी में 758.3 मिमी, तहसील कोटाडोल में 748.4 मिमी, तहसील भरतपुर में 743.5 मिमी तथा तहसील खड़गवां में 678.7 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

पत्नी का कुल्हाड़ी से काटा गला

काम नहीं करने पर टोका तो पति ने कर दी हत्या, गले-सिर पर किया वार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में काम नहीं करने पर टोका तो पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पत्नी के सिर और गले पर कुल्हाड़ी से वार किए थे। वारदात लुंड्रा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, 13 अगस्त को शिवनाथ कोरवा (55) को काम नहीं करने को लेकर प%ी बिहानी बाई (52) ने टोका, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद से आक्रोशित शिवनाथ कोरवा ने कुल्हाड़ी निकालकर पत्नी बिहानी बाई पर हमला कर दिया। गंभीर चोट आने और बहुत ज्यादा खून बहने के कारण बिहानी बाई की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया था।

नाती पहुंचा तो हुआ वारदात का खुलासा: 14 अगस्त को धौरपुर थाना क्षेत्र के चितरपुर में रहने वाला शिवलाल कोरवा लुंड्रा क्षेत्र में किसी काम से गया था। काम निपटाने के बाद वह नाना-नानी से मिलने उनके घर पहुंचा। घर के दरवाजा को धक्का देने पर दरवाजा खुल गया। वह अंदर गया तो नानी बिहानी बाई का शव पड़ा हुआ था।

आरोपी पति ने कबूला गुनाहः पुलिस टीम ने फरार शिवनाथ कोरवा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि काम नहीं करने को लेकर पत्नी आए दिन विवाद करती थी। घटना के दिन भी विवाद हुआ था। इसलिए उसने पत्नी की हत्या कर दी।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत 18 वीं वाहिनी मुख्यालय से तिरंगा यात्रा का आयोजन

एमसीबी निप्र। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 18वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ छसबल मनेन्द्रगढ़ के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सेनानी रवि कुमार कुर्रे (आईपीएस) के मार्गदर्शन में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत वाहिनी मुख्यालय से बाईक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। तिरंगा यात्रा वाहिनी मुख्यालय मुख्य-समवाय से मुख्य-मार्ग होते हुये एफसीआई गोदाम, आमाखेरवा पुलिस लाईन, खेड़िया टॉकिज, पी.डब्ल्यू.डी. चौराहा, बस स्टैण्ड होते हुए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें वाहिनी के जवानों द्वारा भारत माता की जय, वंदे मातरम, हर घर तिरंगा के नारे लगाते हुए पूरे जोश के साथ भ्रमण कर आजादी के जश्न मनाने का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा में सहायक सेनानी सुरेश कुमार गोंड़, कंपनी कमाण्डर अविनाश अग्निहोत्री, कंपनी कमाण्डर विकाश प्रातप सिंह, कंपनी कमाण्डर शांति प्रकाश एक्का एवं वाहिनी के कुल 100 कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग की सख्ती, मिलावटी मिठाई बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छ.ग. व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ सह अभिहित अधिकारी खाद्य संरक्षा जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने रक्षाबंधन त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के समस्त मिठाई दुकानों का सतत् एवं सघन निरीक्षण के साथ अपमिश्रित मिठाई विक्रेताओं पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। गुणवत्ताहीन एवं अपमिश्रित मिठाई विक्रय की शंका पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता व टीम द्वारा मे. आस्था करणी बिकानेर मिष्ठान भण्डार, विवेकानन्द चौक मनेन्द्रगढ़ से मिठाई-खोवा बर्फी और मे. शुभम स्वीट्स एंड डेयरी, वार्ड कं. 13. पुराना नगर पालिका ऑफिस के पास, मनेन्द्रगढ़ से भी मिठाई दूध बर्फी का विधिक नमूना जब्त कर विश्लेषण (जांच) हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया हैं। रक्षाबंधन त्यौहार के नजदीक आते ही मिठाईयों की खपत बहुत बढ़ जाती है। जिससे गुणवत्ताहीन मिठाईयों की बिक्री की संभावना बढ़ जाती है। मिठाईयों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में सीमावर्ती राज्यों से मिलावटी एवं गुणवत्ताहीन खोवा, मावा, कुंदा इत्यादि की आपूर्ति की आशंका होती है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिठाई विक्रेताओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है। समस्त मिठाई दुकानों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा हैं। अपमिश्रित मिठाई की शंका पर विधिक नमूना लिये जा रहे हैं। खाद्य प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियम 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। मिठाई दुकानों का निरीक्षण एवं मिठाइयों का नमूना संकलन सतत् रूप से जारी रहेगी। उपभोक्ताओं को मिलावटी मिठाई से बचाने के लिए विभाग सख्त कार्रवाई करेगा।

34 डॉक्टर्स का हुआ ट्रांसफर

अलग-अलग जिलों में भेजे गए स्पेशलिस्ट, स्वास्थ्य मंत्रालय से आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के 34 सरकारी डॉक्टर्स का ट्रांसफर किया गया है। लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की ओर से ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई है। इसमें अलग-अलग जिलों में 34 डॉक्टर के तबादले किए गए हैं। किसी को अस्पताल तो किसी को विभाग में संयुक्त संचालक का जिम्मा दिया गया है। छत्तीसगढ़ लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार ने आदेश जारी किया है।

डॉक्टर एमपी महेश्वर को जिला अस्पताल बलौदाबाजार से रायपुर का प्रभारी संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है।

युवा शक्ति, नारी सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और किसान कल्याण मिशन प्रदेश के स्थापना दिवस से होंगे आरम्भ-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारत माता को स्वतंत्र कराने के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले वीरों, राष्ट्रभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों का पुण्य-स्मरण करने का दिन है। प्रशासन जनोन्मुखी हो, नागरिक विकास और सामाजिक सद्भाव में भागीदार बनें, गरीबों के कल्याण की योजनाएं अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे ऐसी पुख्ता व्यवस्था करने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनने के सफर को तय कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्पों की सिद्धि में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाल परेड ग्राउण्ड भोपाल पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेशवासियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर लाल परेड ग्राउण्ड में ध्वजारोहण के बाद निरीक्षण वाहन से परेड का अवलोकन कर सलामी ली। परेड के सशस्त्र दलों ने तीन चरणों में हर्ष फायर किया। पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान जन-गण-मन की धुन के साथ अन्य देशभक्ति के गीतों की धूनें प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदक अलंकरण समारोह में पुलिस अधिकारी और कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा, सराहनीय सेवा और वीरता के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के विकास में 4 वर्गों यथा युवा, महिला, किसान और गरीब को आधार स्तम्भ के रूप में परिभाषित किया है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर चार मिशन, युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रही है। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस आगामी एक नवम्बर से यह मिशन अपना काम प्रारंभ करेंगे। युवा शक्ति मिशन में शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार, उद्यमिता, नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास की कार्य योजना तैयार कर मिशन मोड में कार्य किया जाएगा। गरीब कल्याण मिशन में स्व-रोज़गार योजनाएँ, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य करेगा। नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत बालिका शिक्षा, लाड़ली, लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण आदि कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जाएंगे। किसान कल्याण मिशन में सरकार कृषि एवं उद्यानिकी को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में कार्य करेगी। किसानों को राहत प्रदान करने के साथ एवं कृषि की पैदावार बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का बजट अगले पांच वर्ष में दो गुना करने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूँजीगत व्यय 60 हजार 689 करोड़ रुपये किया गया। वर्ष 2022-23 की तुलना में यह वृद्धि लगभग 29 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूँजीगत व्यय का लक्ष्य 64 हजार 738 करोड़ रुपये रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं को सिर्फ पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि ए.आई., मशीन लर्निंग और कोडिंग जैसी नवीन तकनीकों की भी शिक्षा प्राप्त करनी है। इसके लिए उच्च शिक्षा में 485 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। प्रदेश के 55 जिलों के एक-एक महाविद्यालयों को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में परिवर्तित किया गया है। कौशल विकास को राज्य शासन ने प्राथमिकता पर रखा है। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओं योजना में 8 हजार प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रुपये का स्टायपेंड प्रदान किया गया है। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख विद्यालयों में इन्क्यूवेशन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। राज्य में 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से 60 से अधिक नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इसमें 17 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरने के लिए तेजी से कार्य किया गया है। विगत 8 महीनों में शासकीय नौकरियों में 11 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ 67 लाख से अधिक पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना का लाभ मिल रहा है। इसके लिए इस वर्ष 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के दूसरे चरण में 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया गया। प्रदेश सरकार ने इन्दौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में प्रदेश के 7 लाख 50 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 7 लाख मकानों का निर्माण कर दिया गया है। हर महीने 117 लाख पात्र परिवारों को निःशुल्क अनाज प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह और निकाह सहायता योजना में वर्ष 2023-24 में 62 हजार 583 कन्याओं को विवाह के लिए सहायता राशि दी है। लाड़ली बहना योजना अंतर्गत एक करोड़ 29 लाख बहनों के खाते में विगत आठ माह में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर हर लाड़ली बहना के खाते में 250 रुपये की अतिरिक्त राशि जारी की गई है। महिला स्व-सहायता समूहों को सुदृढ़ कर महिलाओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। देश में प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2017 से 2024 तक 41 लाख 70 हजार बहनों को 1 हजार 150 करोड़ रुपये की राशि दी गई। प्रदेश की लगभग 90 लाख बहनों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए गए हैं। प्रदेश की 45 लाख 89 हजार बहनों के खाते में 450 रुपये में गैस सिलेण्डर की रीफिलिंग के लिए 118 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिला-पुरुष के अनुपात में सुधार हो रहा है। यह अनुपात प्रति एक हजार पुरुषों पर 927 महिलाओं से बढ़कर 956 हो गया है।

जनजातीय वर्ग के समग्र विकास और कल्याण के लिए बजट में 23 प्रतिशत अधिक राशि का प्रावधानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के समग्र विकास और कल्याण के लिए इस वित्तीय वर्ष में 40 हजार 804 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, यह पिछले बजट की तुलना में 23.4 प्रतिशत अधिक है। तेन्दूपत्ता संग्रहकों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रति बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रुपये कर दिया गया है। इसका सीधा लाभ लगभग 35 लाख संग्रहकों को हो रहा है। छात्रावासों के विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण और मार्गदर्शन के लिए मित्र हेल्पलाइन आरंभ की गई है। साथ ही छात्रावासों में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा भी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि हर गरीब और कमजोर व्यक्ति को समृद्धि और सुरक्षा की ओर ले जाना हमारा संकल्प है। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी तत्परता से कार्य किया जा रहा है।

वर्ष 2028-29 तक सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्यः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत अब तक 80 लाख से अधिक किसान भाइयों के खाते में 1 हजार 643 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। सरकार ने फसलों के उर्पाजन और मंडियों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी कई कदम उठाएं हैं। मिट्टी परीक्षण में कृषि स्नातक युवाओं के साथ पार्टनरशिप में कार्य करने की नीति बनाई गई है। कृषि प्र-संस्करण उद्योगों का जाल बिछाकर स्थानीय स्तर पर ही कृषि उपज का मूल्य संवर्धन करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लागू रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति क्विंटल 1 हजार रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। संभाग स्तर पर 10 नर्सरी को हाईटेक बनाने की कार्यवाही जारी है। प्रदेश के 40 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए हैं।

ममता पर बरसे प्रधान, बोले- कोलकाता की घटना को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि परास्नातक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में ''राजनीति के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। बनर्जी ने आरोप लगाया था कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तोड़फोड़ के पीछे विपक्षी दलों का हाथ है। प्रधान ने कहा कि बनर्जी की, इस मामले में लीपापोती करने और अपराधियों को बचाने की कोशिश गंभीर सवाल खड़ा करती है। प्रधान ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''पश्चिम बंगाल में बार-बार पूरी व्यवस्थागत विफलता देखने को मिली है।

अपनी ही सरकार में सड़क पर उतरीं सीएम ममता, महिला डॉक्टर के दोषियों को सजा देने की मांग

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में मौलाली से डोरीना चौराहे तक एक विरोध रैली का नेतृत्व किया, जिसमें उस महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की गई जिसकी पिछले सप्ताह एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। बनर्जी के साथ आए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोपियों को मृत्युदंड देने की मांग करते हुए नारे लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि हम चाहते हैं कि सच सामने आए, लेकिन लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वामपंथियों और भाजपा के गठजोड़ का पर्दाफाश होना चाहिए। सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें प्रसारित कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार कक्ष में कथित तौर पर बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से वोटिंग,हरियाणा में 1 अक्टूबर को, 4 अक्टूबर को रिजल्ट;

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार (16 अगस्त) को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर सिंगल फेज में 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आएंगे। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। सीईसी राजीव कुमार बोले- महाराष्ट्र में त्योहार की वजह से चुनाव बाद में होंगे। उन्होंने झारखंड का जिक्र नहीं किया। हरियाणा सरकार का कार्यकाल 3 नवंबर, महाराष्ट्र का 26 नवंबर और झारखंड का 5 जनवरी को खत्म हो रहा है।

1. चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार ने कहा, %श्री जेंटलमेन आर बैक। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। देशभर ने चुनाव का पर्व मनाया। लंबी कतारें दिखीं, बुजुर्ग, यूथ वोट डालने गए। लोकतंत्र का जीवित उदाहरण देश ने देखा। 2. जो तस्वीर भारत ने दुनिया को दिखाई, वो चकित करने वाली थीं। जो चमक हमने देखी, वो बहुत दिन तक दिखाई देगी। जब भी कहीं दुनिया में चुनाव होंगे, आपको अपने देश की याद आएगी और हमारी ताकत की याद दिलाती रहेगी। जम्मू-कश्मीर में हमने जिनसे, राजनीतिक दलों से बात की, सबका मत था कि जल्द से जल्द चुनाव हों। 3. आपको याद है कि मतदान केंद्र पर जो लंबी कतारें लगी थीं, वो जम्हूरियत की ताकत थी। उम्मीद और जम्हूरियत की झलक बताती है कि अवाम अपनी तकदीर खुद बदलना चाहते हैं। लोग चाहते हैं कि खुद देश का भविष्य बदलने का हिस्सा बने। 4. देशभर की 46 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव समय आने पर घोषित किए जाएंगे। वायनाड सीट पर प्राकृतिक आपदा के कारण अभी उपचुनाव नहीं हो सकता। वहां मतदान समय पर होगा।

झारखंड की बेटियों से राखी बंधवाएंगे प्रधानमंत्री

धनबाद। रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त को मनाया जाना है। इस अवसर पर पूरे झारखंड से कस्तूरबा विद्यालय की बच्चियां दिल्ली में राष्ट्रपति और पीएम नरेंद्र मोदी को राखी बांधेंगी। दरअसल पूरे राज्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली 30 छात्राओं को राष्ट्रपति भवन बुलाया गया है। राज्य से 30 केजीबीवी से पांच-पांच छात्राओं का 6 दल राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली के लिए रवाना होगा। चयनित छात्राओं में धनबाद के बलियापुर की कस्तूरबा बालिका विद्यालय की 5 छात्राएं शामिल हैं। सभी छात्राएं आसनसोल आनंद विहार स्पेशल ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी है। ये सभी 19 अगस्त को पीएम मोदी को राखी बांधेंगी। यहां छात्राएं नई दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक स्थल का भी भ्रमण करेंगी। चयनित छात्राओं में पायल कुमारी, लवली कुमारी, गुड़िया मोदी, सुमती कुमारी और राजश्री कुमारी शामिल हैं।

तेजस्वी यादव ने रेप की घटनाओं को लेकर नीतीश सरकार को घेरा

पटना: बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार नीतीश सरकार पर निशाना साथ रहे हैं। एक बार फिर से तेजस्वी ने बिहार की कानून व्यवस्था और बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर सरकार को घेरा है। दरअसल, तेजस्वी ने हाल ही में कई जिलों में हुई रेप की घटनाओं को लेकर नीतीश कुमार को आड़े हाथों लेते हुए सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, दरभंगा में वर्षीय नाबालिग के साथ गैंगरेप, पुलिस ने करने में दिन और फिर उसके बाद अल्ट्रासाउंड कराने में और दिन लगाए। भाई बोला-प्राइवेट पार्ट में थी चोट और सूजन! मुजफ्फरपुर में मां-बाप के सामने नाबालिग लड़की का अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म करने के पश्चात हैवानों ने नाबालिग के ब्रेस्ट और प्राइवेट पार्ट को काटा, बाद में हत्या कर अर्धनग्न शव को पोखर में फेंका।

श्रद्धालुओं से भरे वाहन को ट्रक ने मारी टक्कर, 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मां शीतला धाम कड़ा दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं के वाहन में एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना में दो महिलाओं समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रयागराज जिले के थाना पुरामुफ्ती क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर निवासी 13 लोग एक वाहन से मां शीतला धाम कड़ा दर्शन करने जा रहे थे।

वायनाड में अभी नहीं होंगे उपचुनाव-सीईसी राजीव कुमार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि मौसम की खराबी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण उसने फिलहाल 46 विधानसभा सीट तथा वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन स्थिति में सुधार होते ही छह महीने की निर्धारित समयसीमा के भीतर उपचुनाव करा दिए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने यह भी कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि ये चुनाव एक साथ कराए जाएं। कुमार ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनावों की घोषणा के दौरान कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन की हालिया घटना के कारण तत्काल हालात ऐसे नहीं हैं कि वहां लोकसभा चुनाव कराए जाएं। वायनाड में भूस्खलन के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस पैरालिंपिक में भारत भेजेगा अपना सबसे बड़ा दल

पेरिस। भारत इसी माह के अंत में पेरिस में शुरु हो रहे पैरालिंपिक खेलों में अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा। इसमें भारत के भी 84 खिलाड़ी भाग लेंगे। 28 अगस्त से 8 सितंबर तक खेले जाने वाले इन खेलों में इसमें दुनिया भर के खिलाड़ी उतरेंगे। इस बार भारतीय दल में 30 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार पैरालिंपिक खेलों में भाग लेंगे। भारतीय दल में सबसे अधिक निशानेबाजी खिलाड़ी होंगे। ये 18 अगस्त को पेरिस रवाना होंगे। वहीं अन्य खिलाड़ी 25 अगस्त को पेरिस के लिए रवाना होंगे। इन खेलों में पिछले पैरालिंपिक के स्वर्ण विजेता सुमित अंतिल एवं भाग्यश्री को ध्वज वाहक की भूमिका मिल सकती है। भारतीय खिलाड़ी पहली बार यहां पैरा साइक्लिंग, ब्लाइंड जूडो और रोइंग खेलों में भाग लेंगे। पहली बार पैरालिंपिक में भाग लेने वाली खिलाड़ी हैं। तीरंदाज- शीतल देवी , पैरा एथलेटिक्स 400 मीटर टी20 दीप्ति, शाटपुट सचिन, रवि, अमीशा ,200 मीटर - प्रीति , क्लब थो 51 - प्रणव जैवलिन थ्रो - दीपेश कुमार, भावना बेन, डिस्कस थ्रो साक्षी, कंचन, 1500 मीटर - रक्षिता, बैडमिंटन शिवारंजन, नित्या श्री, शिवान, मनदीप कौर, मनीषा, मग्रसेन, साइक्लिंग - अशरद, ज्योति , ब्लाइंड जूडो - कपिल, कोकिला पावर लिफ्टिंग अशोक, राजामनी , रोइंग - अनिता, नारायणा, निहाल, मोना, अमीर अहमद, रूद्धाश।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज ऑस्ट्रेलिया जीतेगी : पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ेगा। पोंटिंग के अनुसार इस दौरे में मेहमान टीम अधिक से अधिक एक मैच ही जीत पायेगी। पोंटिंग के इस बयान को उनके भारतीय टीम पर मनोवैज्ञानिक रणनीति बनाने की नीति भी माना जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल 16 अक्टूबर से एक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। दोनों टीमों के बीच इस बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के तहत पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इससे पहले के भारत दौरे पर हार का सामना करना पड़ा था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अभी भारतीय टीम के पास है। ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2017 से ही ये ट्रॉफी नहीं जीत पायी है। पोंटिंग ने कहा, 'यह सीरीज रोमांचक होने वाली है। उन्होंने कहा कि ये सीरीज ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है। विशेषकर भारतीय टीम के खिलाफ। भारत के खिलाफ यहां खेली गई पिछली दो सीरीज उनकी टीम के अच्छी नहीं रही थी पर इस बार वह अपनी पूरी ताकत लगा सकती है।' पोंटिंग ने कहा, 'इस बार पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी जबकि पिछली कई सीरीज 4 टेस्ट मैचों की रही हैं। इस बार सीरीज में 5 मैच होने से यह और रोमांचक रहेगी ओर मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज जीतेगा। इसके ड्रॉ होन की उम्मीद कम है।'

बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेस 1330 अंक चढ़ कर 80,436 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (16 अगस्त) को तेजी देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1330 अंकों की तेजी के साथ 80,436 के स्तर, वहीं निफ्टी में भी 397 अंक की तेजी रही, ये 24,541 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 48 में तेजी और 2 में गिरावट है। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयरों में तेजी और 1 शेयर में गिरावट है। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो एनएसई सेक्टर में सबसे ज्यादा 2 प्रतिशत की तेजी है। ऑटो, मीडिया, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सेक्टर में भी 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है।

इसके अलावा बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, FMCG, फार्मा, पीएस बैंक, प्राइवेट बैंक, मेटल और हेल्थ केयर समेत सभी सेक्टरों में भी तेजी दिखाई दे रही है। एशियाई बाजार में आज तेजी देखने को मिल रही है। जापान के निक्केई में 2.92 प्रतिशत की तेजी है। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.73 प्रतिशत और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.092 प्रतिशत की तेजी है। कोरिया के कोस्पी में भी 1.79 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 1.39 प्रतिशत बढ़कर 40,563 के स्तर पर बंद हुआ। नैस्डैक भी 2.34 प्रतिशत चढ़ा, ये 17,594 के स्तर पर बंद हुआ। 5,543 अंक के स्तर पर बंद हुआ। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 14 अगस्त को 17,565 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,269 करोड़ के शेयर खरीदे। यानी, विदेशी निवेशकों ने बुधवार को बिकवाली की थी। कल गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी के चलते बाजार बंद रहा था। शेयर बाजार कल गुरुवार (15 अगस्त) को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी के चलते बंद रहा था। इससे पहले बाजार में बुधवार (14 अगस्त) को तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 150 अंकों की तेजी के साथ 79,065 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में सिर्फ 4 अंक की तेजी रही थी। ये 24,143 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोना 70,350 रुपए चांदी लगभग 82 हजार

सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,350 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 82,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 167 रुपये की तेजी के साथ 70,303 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 231 रुपये की तेजी के साथ 70,367 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,438 रुपये की तेजी के साथ 81,499 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,979 रुपये की तेजी के साथ 82,040 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बीसीसीआई बुमराह को दे सकता है आराम

अर्शदीप और खलील में से एक खेलेगा

नई दिल्ली। भारत की टी0 विश्व कप जीत के बाद मिले ब्रेक के बाद 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 3 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए जसप्रीत बुमराह की वापसी हो सकती है। लेकिन सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले 2 टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाज को आराम दिया जा सकता है। यह समझा जाता है कि भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ता तेज गेंदबाजी आक्रमण में और अधिक विविधता लाना चाहते हैं। इसलिए टेस्ट 'कैप हासिल करने के लिए तेज गेंदबाजों की सूची में बाएं हाथ के सीम और स्विंग गेंदबाजों को शामिल कर सकता है। अनुभव के मामले में चयनकर्ताओं के पास अर्शदीप सिंह और खलील अहमद के रूप में दो विकल्प हैं। अर्शदीप टी20 प्रारूप में नियमित रूप से खेलते हैं। एक सूत्र ने बताया कि बुमराह अपने शरीर को अच्छी तरह से जानते हैं और यह उन पर निर्भर करेगा कि वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में खेलना चाहते है या नहीं। अर्शदीप को लाल गेंद के क्रिकेट में खिलाने की योजना राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में भी थी इसलिये उन्हें पिछले साल कुछ काउंटी मैच खेलने के लिए कैंट भेजा गया था। खलील बेहतर गेंदबाज है लेकिन उनकी गेंदबाजी काफी अनियमित रहती है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के लिए दूसरा विकल्प यश दयाल है लेकिन वह इस दौड़ में खलील और अर्शदीप से पीछे है। वहीं, समझा जा रहा है कि सलिल अंकोला का कार्यकाल आखिरकार खत्म हो गया है और उन्हें बताया गया है कि श्रीलंका दौरे के लिए चयन बैठक उनकी आखिरी बैठक थी।

ओलंपिक से लौटे खिलाड़ियों से मुलाकात में प्रधानमंत्री ने विनेश की प्रशंसा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर पेरिस ओलंपिक से लौटे खिलाड़ियों से मुलाकात की है। खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने महिला पहलवान विनेश फोगाट की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें गर्व उनपर गर्व है। है। प्रधानमंत्री ने कहा, विनेश कुश्ती में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं और उनके इस उपलब्धि पर हमें गर्व है। विनेश को 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण ओलंपिक फाइनल से पहले अयोग्य करार देकर बाहर किर दिया गया था। इस मामले में उन्होंने खेल पंचाट में अपील कर संयुक्त रुप से रजत पदक दिये जाने की अपील की थी जो खारिज हो गयी। प्रधानमंत्री से जिस भारतीय दल ने मुलाकात की थी। उसमें विनेश शामिल नहीं थीं क्योंकि वह अभी पेरिस से नहीं लौटीं हैं। भारत ने इस बार पेरिस ओलिंपिक में 1 रजत और 5 कांस्य पदक जीते हैं। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सभी एथलीट्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विनेश शनिवार सुबह स्वदेश पहुंचेंगी। जिसके बाद वह सबसे पहले चरखी दादरी में अपने गांव बलाली जाएंगी। इस दौरान रास्ते में विनेश का कई जगह पर स्वागत होगा।

द्रविड़ की तरह जूनियर टीम के कोच से शुरुआत करना चाहते हैं श्रीजेश

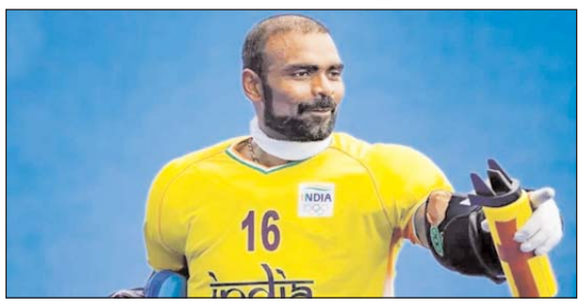

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर रहे पी आर श्रीजेश को संन्यास के बाद अब जूनियर टीम के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। श्रीजेश के अनुसार वह कोच के रुप में अपनी इस नई पारी में राहुल द्रविड़ की तरह काम करना चाहेंगे। द्रविड़ ने भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम के कोच के तौर पर काफी सफलता हासिल की थी। श्रीजेश ने कहा कि मैं कोचिंग की शुरुआत जूनियर स्तर से करना चाहता हूं जैसा द्रविड़ ने किया था। उन्होंने कहा कि ऐसे में आपके पास खिलाड़ियों के एक समूह को विकसित करने का मौका होगा, जब वे सीनियर टीम में आयेंगे तो वे आपको समझेंगे और आपको उनके बारे में पता होगा। द्रविड ने भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने से पहले लंबे समय तक अंडर-19, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और भारत ए टीम को कोचिंग दी थी। श्रीजेश ने कहा कि अगर मैं इस साल या अगले साल कोच के तौर पर काम शुरू करता हूं तो अगले साल 2025 में जूनियर विश्व कप है, इसके 2 साल बाद सीनियर टीम विश्व कप खेल रही होगी। इसके दो साल बाद फिर से जूनियर विश्व कप होगा, ऐसे में 2028 तक हमारे पास 20 से 40 खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह होगा। उन्होंने अपनी योजना के स्पष्ट करते हुए कहा कि हम अगर ऐसे ही काम करते रहे तो 2029 में शायद मेरे तैयार किये गये 15 से 20 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के शिविर में होंगे। यह आंकड़ा 2030 में लगभग 30 से 35 खिलाड़ियों तक पहुंच जायेगा। श्रीजेश ने कहा कि वह 2036 ओलंपिक में राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच रहना चाहते हैं। भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी की दौड़ में है। उन्होंने कहा कि उस समय मैं शायद राष्ट्रीय टीम के कोच के लिए तैयार हो जाउंगा। श्रीजेश ने कहा कि उन्हें अपने लंबे करियर में हर तरह के कोच की देखरेख में खेलने का अनुभव है और उनका ये अनुभवी खिलाड़ियों के काफी काम आयेगा। श्रीजेश ने अपने दो दशक तक चले करियर में 336 मैच खेलने हैं।

नॉक्स वॉल्ट में सेंध लगाने वाले को 1 मिलियन डॉलर देगी सैमसंग

नई दिल्ली। डिवाइस की खामियों का पता लगाने कंपनी सैमसंग ने बड़े इनाम का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने गैलेक्सी डिवाइस में पाए जाने वाले नॉक्स वॉल्ट में सेंध लगाने वाले को 1 मिलियन डॉलर तक का बड़ा इनाम देने के लिए कहा है। इसके अलावा टीग्रिस ओएस और रिच ओएस जैसे प्लेटफार्म पर खामियां निकालने पर भी इनाम दिया जाएगा।सैमसंग का ये बग बाउंटी 'सैमसंग मोबाइल डिविजन इम्पॉर्टेंट सीनैरियो वर्नेबलिटी प्रोग्राम' का हिस्सा है। सैमसंग की इस पहल का मकसद संभावित हमलों का पता लगाना है जो गैलेक्सी एस और झेड सीरीज़ के स्मार्टफोन को प्रभावित कर सकते हैं। इनाम का ऐलान करते हुए कंपनी ने बताया कि अगर कोई डेटा एक्सट्रैक्शन, डिवाइस को अनलॉक करना, आर्बिटरेरी ऐप्लिकेशन इंस्टॉलेशन या डिवाइस की सुरक्षा को बायपास करने जैसी चीजें कर लेता है तो उसे 1 मिलियन डॉलर (8 करोड़ रुपये से ज्यादा) का रिवार्ड दिया जाएगा। अगर आप एस1 मिलियन तक जीतना चाहते हैं, तो आपको सैमसंग नॉक्स वॉल्ट को बायपास करना होगा और एक रिपोर्ट जमा करनी होगी जो साबित करती है कि आपका प्रयास नो-क्लिक आर्बिटरेरी कोड था। सैमसंग पूरी राशि का भुगतान तभी करेगा जब रिपोर्ट दिए गए पॉइंट पर खरी उतरेगी। अच्छी रिपोर्ट बोनस क्राइटेरिया होना चाहिए। बताए गए पॉइंट के एक से ज्यादा टारगेट में खामी निकालना, सेंध कंपनी के लेटेस्ट फ्लैगशिप डिवाइस (गैलेक्सी एस और झेड सीरीज़) के लेटेस्ट सिक्योरिटी पर काम करना चाहिए। इसके अलावा सेंध विशेषाधिकारों के बिना किया जाना चाहिए। सैमसंग अपने डिवाइस की सुरक्षा पर खास ध्यान देने के लिए जाना जाता है, और यही वजह है कि वह लगभग 6-7 सालों से इनाम दे रहा रहा है। बता दें कि दिग्गज कंपनियां कई बार बाउंटी प्रोग्राम पेश करती है, जिसमें डिवाइस की खामियों का पता लगाने वाले को मोटा इनाम दिया जाता है।

थोर्प मामले के बाद एक बार फिर खेल में मानसिक सेहत और अवसाद का मामला उठा

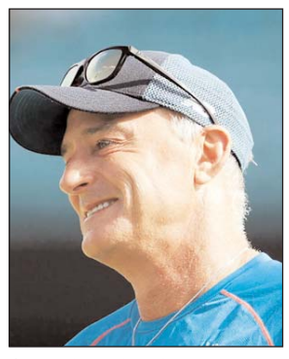

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प की आत्महत्या के बाद एक बार फिर खेल में अवसाद का मामला उठा है। कई क्रिकेटरों ने समय समय पर खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ का मुद्दा उठाया है पर इस मामले पर खुलकर बहस नहीं हो पायी है। इंग्लैंड के जोनाथन ट्रॉट तो अपने करियर के शीर्ष के समय मानसिक सेहत खराब होने के कारण क्रिकेट से ही दूर हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल सहित कई क्रिकेटरों ने खराब मानसिक स्वास्थ का हवाला देकर ब्रेक भी लिया था। ऐसे में कहा जा रहा है कि इस मामले पर गंभीरता से बहस होनी चाहिये क्योंकि खिलाड़ी भी खराब दौर से गुजरने के दौरान अवसाद में आ जाते हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कैप्टन बेन स्टोक ने भी मानसिक स्वास्थ ठीक नहीं होने के कारण ही छह महीने का ब्रेक भी लिया था। स्टोक्स ने बताया था कि उन्हें पैनिक अटैक भी आते रहे हैं। स्टोक्स अब भी अवसाद की दवाइयां लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मैक्सवेल ने जब 2019 में क्रिकेट से ब्रेक लिया था तब कोच रहे जस्टिन लेंगर ने उनकी उनका मनोबल बढ़ाया था। इसी कारण मैक्सवेल ने लौटने के बाद बिग बैश लीग में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी साल 2014 में अपने खराब दौर में कहा था, 'मैं तब मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे था। मैं उन दिनों क्रिकेट से दूर जाना चाह रहा था।' हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं यहां तक कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी एंग्जायटी से नहीं बच पाये हैं। सचिन ने एक बार कहा था कि 10 से 12 साल तक ऐसा वक्त रहा जब मैच से पहले वाली रात में उन्हें नींद नहीं आती थी। बाद में उन्होंने इसे अपनी तैयारी का हिस्सा मान लिया था। इसके बाद ध्यान बंटाने के लिए वह अपने को दूसरी चीजों में व्यस्त करते थे।

नये एनसीए में क्रिकेटरों के अलावा एथलीट भी कर सकेंगे अभ्यास : जय शाह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि कुछ ही समय में नई राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) तैयार हो जाएगी। जय शाह ने कहा कि इसमें क्रिकेट के अलावा एथलेटिक्स सहित अन्य खेलों से जुड़े खिलाड़ी भी अभ्यास कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि बोर्ड हमेशा भारतीय एथलीटों को बेहतर सुविधाएं देने के पक्ष में रहा है। साथ ही कहा , इस नये एनसीए में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित कई अन्य ओलंपियन खिलाड़ी भी अभ्यास कर सकेंगे। नई एनसीए का उद्घाटन अगले महीने होने की संभावना है। ये हाई परफॉरमेंस सेंटर बीसीसीआई की सबसे बड़ी योजनाओं का हिस्सा रहा है।

हाल ही में जय शाह ने नीरज चोपड़ा से मुलाकात के दौरान कहा था कि नये एनसीए में अन्य खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को भी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। नई एनसीए में 100 पिचें होंगी, जिनमें 45 इनडोर टर्फ रहेंगे। इसकी खासियत ये है कि इसमें सभी प्रकार की पिचें हैं। जैसे ब्रिस्बेन के गाबा, डरबन के किंग्समीड या जो दुनिया के किसी भी अन्य स्टेडियम में देखी जाती हैं। भारतीय टीम विदेश दौरे पर जाने से पहले उन पिचों पर अभ्यास कर सकती है। जय शाह ने कहा कि हमें जो भी मिला, हम उसका सबसे अच्छा उपयोग करना चाहते थे।

अब तक पहले और अंतिम टेस्ट में दो गेंदबाजों ने ही लिए हैं 10 से अधिक विकेट

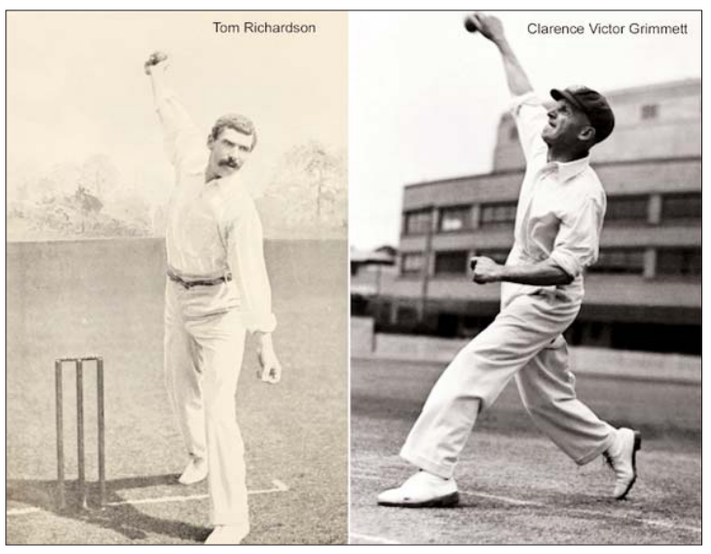

मुम्बई। क्रिकेट में अब तक अपने डेब्यू और अंतिम टेस्ट में 10 से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की संख्या बेहद कम है। अब तक केवल दो गेंदबाज ही ये कारनामा कर पाये हैं। ये गेंदबाज हैं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टॉम रिचर्डसन और ऑस्ट्रेलिया के क्लेरी ग्रिमेट। रिचर्डसन ने साल 1893 से 1898 तक 14 टेस्ट के करियर में 88 विकेट लिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पहले और अंतिम टेस्ट में 10-10 विकेट लिए थे। वहीं दूसरी ओर स्पिनर ग्रिमेट ने से 1925 से 1936 के बीच 37 टेस्ट खेले और 24.21 के औसत से 216 विकेट लिए। टेस्ट क्रिकेट में सबसे पहले 200 विकेट ग्रिमेट ने ही हासिल किए थे पर ग्रिमेट जिस दौर में क्रिकेट खेले, उस समय टेस्ट खेलने वाले देशों की संख्या काफी कम थी। इस कारण 11 साल के करियर में वे 37 टेस्ट ही खेल पाए। ग्रिमेट के अलावा इंग्लैंड के चार्ल्स मैरियट ने 1933 में अपने डेब्यू टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 96 रन देकर 11 विकेट लिए थे पर इसके बाद उन्हें किसी टेस्ट खेलने का अवसर नहीं मिला। ग्रिमेट ने 17 साल की उम्र में ही उन्होंने वेलिंगटन के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया। इस समय तक न्यूजीलैंड को टेस्ट क्रिकेट का दर्जा हासिल नहीं था। ऐसे में क्रिकेट करियर को बढ़ाने के लिए ग्रिमेट ने 1914 में ऑस्ट्रेलिया का रुख किया जिससे उन्हें लाभ हुआ। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए ग्रिमेट और बिल ओ'रैली की जोड़ी के लिए मुश्किल पैदा कर दीं। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी और विक्टोरिया की ओर से खेलने के बाद ग्रिमेट को आखिरकार 34 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। फरवरी 1925 में इंग्लैंड के खिलाफ मिले मैच में 82 रन देकर 11 विकेट लिए।, जिसमें पहली पारी में 45 रन देकर 5 और दूसरी पारी में 37 रन देकर 6 विकेट शामिल रहे। ग्रिमेट की घातक गेंदबाजी की दम पर ऑस्ट्रेलिया ने यह टेस्ट 307 रन के बड़े अंतर से जीता। पहले टेस्ट में इस प्रदर्शन के बाद तो ग्रिमेट लगातार आगे बढ़ते गये। अपने 37 टेस्ट के करियर में उन्होंने 21 बार पारी में 5 या इससे अधिक और 7 बार 10 या इससे अधिक विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज में 44 विकेट भी उन्होंने हासिल किए। यही नहीं, टेस्ट में 10 या इससे अधिक विकेट लेने वाले वाले वे दूसरे सबसे अधिक उम्र के गेंदबाज थे।

विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनेगा व्हाइट टाइगर सफारी : राजेन्द्र शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने किया 3 करोड की लागत से निर्मित वाक इन एवियरी का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुकुन्दपुर का महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने कहा कि रीवा और सतना में हवाई सुविधा प्रारंभ होने पर यह सफारी खजुराहो और बनारस से सीधे पर्यटक सर्किट में जुड जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल शुक्रवार को महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर में 3 करोड़ की लागत से निर्मित "वॉक इन एवियरी" के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस एवियरी में लगभग एक करोड़ की कीमत के करीब एक हजार से अधिक प्रजाति के विदेशी पक्षी रखे जायेंगे। कार्यक्रम में सांसद सतना गणेश सिंह, रीवा जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, जिला पंचायत की वन समिति के सभापति हरीशकान्त त्रिपाठी, मैहर कलेक्टर रानी बाटड़, सीसीएफरीवा राजेश राय, डीएफओ सतना विपिन पटेल, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव सहित विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने व्हाइट टाइगर सफारी में 3 करोड 80 लाख रूपये की लागत से निर्मित विदेशी पक्षियों के बाडे वाक इन एवियरी का शिलापट्टिका का अनावरण कर विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि व्हाइट टाइगर सफारी मुकुन्दपुर जैसा चिडिया घर और सफारी का प्राकृतिक रूप से काम्बीनेशन और कही नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि गुजरात के केवडिया के बाद देश का यह दूसरा एवियरी है। जहां लगभग एक करोड के विदेशी पक्षी रखे जायेंगे। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य की कमी नही है और यहां पर्यटन की अपार संभावनायें है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुकुन्दपुर व्हाइट टाइगर सफारी में अभी वार्षिक रूप से लगभग साढे तीन लाख पर्यटक आते हैं। व्हाइट टाइगर सफारी की ब्राडिंग और आकर्षण बढाकर इसे 10 लाख पर्यटकों तक बढाया जायेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि लगभग 46 साल बाद सफेद शेर हमारी विंध्य की धरती पर लौटा है। इनके विकास के लिए गोविन्दगढ में व्हाइट टाइगर सहित रायल टाइगर और यलो टाइगर, बब्बर शेर के भी ब्रिडिंग सेंटर बनाने के प्रयास किये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि व्हाइट टाइगर सफारी के प्राथमिक चरण में 40 बाडे विभिन्न प्रजाति के वन्य प्राणी पशु-पक्षियों के लिए बनाये जाने थे। जिनमें 450 वन्यप्राणी लाये जाने का लक्ष्य रखा था। उन्होंने कहा कि प्राथमिक चरण में व्हाइट टाइगर सफारी का शेष कार्य रेपटाइल बाडा भी बनकर तैयार हो चुका है। जिसमें सरीसृप वर्ग के जीव-जंतु रखे जायेंगे। अब तक व्हाइट टाइगर सफारी में 250 विभिन्न प्रजाति के वन्य प्राणी आ चुके हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के चतुर्दिक विकास के लिए तीन प्रकार की क्रांतियां हरित क्रांति, पर्यटन क्रांति और औद्योगिक क्रांति जरूरी होती है। विंध्य क्षेत्र इन तीनों क्रांतियों के साथ हिन्दुस्तान का सबसे शक्तिशाली और समृद्धशाली क्षेत्र बनेगा।

जयपुरिया स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ राजेश जैन, राजेश मोगिया, आशु खत्री, डॉ मुदित जैन, विद्यालय की प्राचार्या तेजल शिवापुरी एवं समस्त स्टाफ तथा छात्रों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया गया। तदुपरांत छात्रों द्वारा पीटी का प्रदर्शन किया गया। हेड बॉय अर्पित तिवारी के द्वारा अंग्रेजी भाषण तथा हेड गर्ल श्रेया त्रिपाठी ने हिंदी भाषण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही देशभक्ति गीतों एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करके छात्रों नें कार्यक्रम में समा बाँध दिया। डायरेक्टर डॉ राजेश जैन ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

विद्यालय में किया गया ध्वजारोहण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वतंत्रता दिवस के पवन पर्व पर नैना प्राथमिक स्कूल, सामुदायिक भवन, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, नैना प्राथमिक पाठशाला, मे ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से रावेंद्र सिंह लल्ला मंजीत बेन सरपंच, नीरज सिंह सचिव, शंभू सिंह, डॉ.अर्पित सिंह, डॉ. प्रिंसी सिंह, डॉ.यादवेंद्र सिंह, आरती सिंह, नागेंद्र कोल, नंदलाल कोल, परदेसी कोल, राजकुमार कोल, संजय कोल, गब्बर कोल, वीरेंद्र सिंह, विजय त्रिपाठी, प्रदीप कुशवाहा. राजेश विश्वकर्मा, छोटी शर्मा, नीरज, आशा कोल, शालिनी मिश्रा, एवं सभी जगह के शिक्षक डॉक्टर छात्र-छात्राएं एवं सभी गांव के सम्मनीय नगरीक गण उपस्थित रहे।

आज की शाम शहीदों के नाम : मैहर में हुई संगीत संध्या

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर के शासकीय संगीत महाविद्यालय में 78वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के उपलक्ष्य में 'आज की शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओ द्वारा देशभक्ति गीतों की मनमोहक संगीतमयी प्रस्तुतियां दी गई।

कार्यक्रम में दिव्यांग छात्रा कुमारी भारती सिंह पिता प्रदीप सिंह निवासी अमरपाटन के द्वारा 'दिल दिया है, जान भी देंगे... गीत की प्रस्तुति दी गई। छात्रा की दिल को छू लेने वाली आवाज और मार्मिक प्रस्तुति ने सबकी आंखों को नम तथा भाव विभोर कर दिया। बच्ची की देशभक्ति और संगीत के प्रति प्रेम देख कलेक्टर रानी बाटड़ और एसपी सुधीर अग्रवाल सहित उपस्थित संगीत प्रेमियों ने खड़े होकर तालिया बजाई और छात्रा का उत्साहवर्धन किया।

मैहर कलेक्टर ने सुनी फोन पर आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर रानी बाटड द्वारा शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक टेलीफोन नंबर 07674-299232 के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं तहसील स्तर की शिकायतों को सुना गया और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए गए। सुनवाई में जिले भर से 9 शिकायतें प्राप्त की गई।

इस दौरान आवेदक डॉ. खुशबू वर्मा डेंटल क्लीनिक वार्ड क्रमांक-11 मैहर द्वारा बताया गया कि घंटाघर के पास डॉ. आरके चौरसिया एमबीबीएस का क्लीनिक है। जबकि उनका बेटा बाहर रहता है। लेकिन क्लीनिक में डेंटल चेकअप होता है। हम सभी डेंटल क्लीनिक वालों को समस्या हो रही है। रामकृपाल सोनी निवासी वार्ड नम्बर-1 मैहर ने बताया कि सहारा कंपनी में पैसा जमा है लेकिन मिल नहीं रहा। साथ ही लडकी-नातिनों के शादी के लिए पैसों की आवश्यकता है। रामकृष्ण विश्वकर्मा निवासी ग्राम परसिया अमरपाटन ने बताया कि मेरे घर के लिए आम रास्ता था जो बंद है, जिससे लडकियां घर में बैठी रहती है। स्कूल नहीं जा पा रही है। जो अवैध तरीके से बंद कर दिया गया है। रामबहोरी साहू निवासी अमरपाटन वार्ड-7 ने बताया कि पीएम किसान निधि की राशि खाते में नहीं आ रही हैं 9वीं किस्त प्राप्त हो चुकी है लेकिन अब बंद है। इसी प्रकार दूसरी शिकायत में बताया कि मां का विकलांग भत्ता नहीं मिल रहा है। नगरपालिका द्वारा फीड नहीं किया गया है। जो कि 40 प्रतिशत का विकलांगता प्रमाण पत्र भी बना है। फिर भी विकलांग भत्ता की राशि नहीं मिल रही हैं। रजनीश कुमार द्विवेदी निवासी अमरपाटन वार्ड क्रमांक-4 ने बताया कि तहसील कार्यालय भवन के आगे अतिक्रमण कर लिया गया है। वहीं दूसरी शिकायत में बिजली बिल अधिक दिया जा रहा है। जो अचानक बिल बढकर 6000 रूपये आया है। मोहनलाल विश्वकर्मा निवासी तहसील रामनगर अंतर्गत ग्राम खारा ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त नहीं हो रही है। चन्द्रपुष्प गौतम निवासी अमरपाटन के ग्राम कटहा निवासी ने बताया कि 30 अप्रैल 2024 को सेवा निवृत्त हो जाने के बाद आज तक अर्जित अवकाश की राशि नहीं मिली है। सुनील कुमार शर्मा तहसील मैहर के ग्राम गोबरिया निवासी ने बताया कि जमीन आराजी नंबर 365/1, 365/2 एवं 365/3 बठिया पंचायत में हैं। जिसमें अतिक्रमण कर लिया गया है। सीमांकन का आवेदन अप्रैल 2024 में किया गया था लेकिन आज तक कार्यवाही नहीं की गई। इसी प्रकार तहसील अमरपाटन अंतर्गत ग्राम जमुना निवासी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि आकांक्षा स्व-सहायता समूह द्वारा 15 अगस्त को भोज का आयोजन किया गया था। लेकिन सांची पेडे का वितरण नहीं किया गया। साथ ही मेनू अनुसार मध्यान्ह भोजन का वितरण भी नहीं किया गया। जिसका निराकरण किया जाये। कलेक्टर ने सभी की शिकायत दूरभाष पर सुनी और समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

तक्षशिला अकादमी में देश के वीर जवानों को किया याद, भेजी गई राखी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगर के उत्कृष्ठ विद्यालय तक्षशिला अकादमी द्वारा 15 अगस्त के उपलक्ष्य में देशभक्ति की अनुपम मिसाल पेश की गई। विद्यालय के संचालक आनंद द्विवेदी के मार्गदर्शन में सभी छात्र और छात्राओं ने शिक्षकों के साथ नगर में ध्वज यात्रा निकाली गई। तत्पश्चात कार्यालय में जाकर एसडीएम आरती यादव को तिरंगा झंडा एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार की गई राखी भेंट की गई। जो की भारत की सरहद पर कार्यरत वीर जवानों को समर्पित की गई जो ऐसे त्योहारों पर भी घर न आकर सरहद पर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं।

हड़ताल में पर जूडा, ओपीडी की व्यवस्था लड़खड़ाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलकता में जूनियर डाक्टर की रेप के बाद हत्या को लेकर चिकित्सकों में भारी आक्रोश है। देशभर में जूनियर डाक्टर और रजिडेंट चिकित्सक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। परिणाम स्वरूप शुक्रवार को संजय गांधी चिकित्सालय में ओपीडी में जूनियर डाक्टर नहीं बैठे। ऐसे में मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। हालांकि जूनियर चिकित्सकों ने इमरजेंसी सेवाओं में सेवा दे रहे हैं। जिससे की गंभीर मरीजों को इलाज में कोई समस्या नहीं आए।

बताया जा रहा है कि कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की रेप कर हत्या करने की घटना के बाद चिकित्सक नेशनल प्रोफेशनल सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग कर रहे है। जबकि तक यह मांग पूरी नहीं होगी तक वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। गुरूवार तक मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक काली फित्ती बांध मरीजों का इलाज कर रहे थे। लेकिन शुक्रवार से आईएएम के निर्देश में ओपीडी से दूर रहे है। जूनियर डाक्टरों का कहना है कि इसके लिए उन्हें अफसोस है लेकिन हड़ताल के सिवाय कोई दूसरा विकल्प नहीं है। क्योकि इस तरह डर के माहौल में वह मरीजों की सेवा नहीं कर पाएंगे।

मरीजों की बढ़ी परेशानी: बता दें कि इन दिनों बुखार और उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या अधिक है। स्थिति यह है कि ओपीडी में इस तरह के आने वाले मरीजों की संख्या प्रतिदिन दो हजार से अधिक है। ऐसे में जूनियर चिकित्सकों की हड़ताल के कारण मरीज को देखने वाला कोई नहीं है।

रात में घर से निकले नाबालिग का सुबह खेत में मिला शव

-परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी थानांतर्गत ग्राम देवीसेंगरान में खेत में किशोर की शव मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतक किशोर के शरीर पर चोट के निशान देखकर परिजनों ने हत्या की आंशका व्यक्त की है। हालांकि इस मामले में पुलिस अब पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

बताया जा रहा है कि सुबह ग्राम देवीसेंगरान में जैसे ही खेत में किशोर के शव की जानकारी मिली लोगों की भीड़ लगाना प्रांरभ हो गई। इस दौरान मृतक की पहचान आलोक चंद्र शर्मा पिता सुभाषचंद्र शर्मा उम्र 17 साल के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि बेटा रात को घर से निकाला था। इसके बाद वह नहीं लौटा सुबह जानकारी मिली कि उसका शव खेत में पड़ा हुआ है। परिजनों में कहा कि उनके पुत्र की हत्या हुई है।

सेंट्रल जेल में पुलिस अधिकारी के बेटे की मौत, मारपीट का आरोप

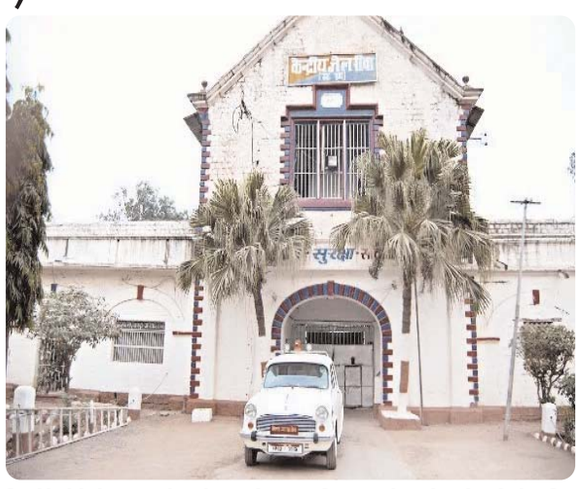

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केन्द्रीय कारागार रीवा में बंदियों की मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है। शुक्रवार को एक युवा बंदी राहुल वर्मा की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों से जेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाया है। बंदी के पिता भोला वर्मा रीवा पुलिस सब निरीक्षक है और मृतक उनका एकलौता पुत्र था। घटना के बाद पुलिस अधिकारी ने आरोप लगाया कि जेल में उनके बेटे के साथ मारपीट करने से उसकी मौत हो गई।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राहुल वर्मा निवासी ग्राम ममदर जिला सीधी को न्यायालय ने प्राणघातक हमला करने के मामले में सात वर्ष की सश्रम कारवास की सजा सुनाई है। सजा के बाद उनकी बेटे से 5 अगस्त को केन्द्रीय जेल में मुलाकात हुई थी। इस दिन तक वह पूरी तरह स्वास्थ्य था। इसके बाद शुक्रवार को फोन आया है कि बंदी संजय गांधी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई है उन्होंने कहा कि मेरे बेटे के साथ जेल में मारपीट हुई और गंभीर रूप से घालय होने के बाद समय पर उपचार नहीं मिला जिससे मौत हो गई। इस घटना को लेकर परिजनों में जेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए है।

युवा बंदी की मौत पर कई सवाल: बताया जा रहा है कि इससे पहले जो बंदी की मौत हुई है उनमें अधिकांश तो गंभीर बीमारी से ग्रस्ति होने के कारण उनकी मौत बताई गई। हालांकि अभी इन बंदियों के मामल में न्यायिक जांच चल रही है। इसी बीच अब युवा राहुल की मौत ने जेल प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। दरअसल राहुल अभी युवा था और परिवार जनों के अनुसार ऐसी कोई बीमारी नहीं थी।

चारधाम यात्रा के तीर्थ यात्रियों के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। धार्मिक न्यास और धर्मस्व उप सचिव स्वाति जैन द्वारा जारी आदेशानुसार श्रवण मास में विभिन्न प्रदेशों के श्रद्धालु उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न भागों में कांवड यात्रा पर आते हैं। मानूसन सीजन में एक साथ बड़ी संख्या में कांवड यात्रियों के आवागमन से उनकी सुखद यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करना राज्य सरकार के लिए अत्यंत चुनौती पूर्ण हो जाता है। इस हेतु कांवड यात्रियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

कांवड यात्रा के दौरान क्या करें: हरिद्वार आने वाले पैदल कांवड यात्री कांवड पटरी (नहर पटरी) का ही प्रयोग करें। कांवड यात्री अपना पहचान पत्र डीएल, आधार कार्ड साथ रखे। अपना वाहन निर्धारित पार्किंग में ही पार्क करं, अन्यथा एमवी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। अराजक तत्वों से सावधान रहें। वाहन में बैठे कांवड यात्रियों की सूची एवं यात्रा विवरण अपने वाहन में अवश्य लगाये। निर्धारित घाटों पर ही स्नान करें, अन्यत्र स्नान करने पर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

कांवड यात्रा के दौरान क्या न करें: यात्रा के दौरान अपने साथ हॉकी, बेसबाल, स्टिक, तलवार, नुकीले पत्थर, लाठी, डंडे आदि लेकर न आये। यात्रा के समय मादक पदार्थों का सेवन न करें। कांवड की ऊँचाई 7 फीट से अधिक न रखे। रेलगाड़ी एवं अन्य वाहनों की छतों पर यात्रा न करें। पुलों से छलांग लगाकर स्नान न करें। कांवड में डीजे/लाउडस्पीकर आदि का प्रयोग न करें। संदिग्ध/लावारिस वस्तुओं को न छुयें, इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही फैलायें। प्लास्टिक व प्लास्टिक से बने उत्पादों का प्रयोग न करें। यात्रा के दौरान अपनी मोटर साइकिल का साइलेन्सर उतारकर न चलाये।

रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर अवकाश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैंकिंग क्षेत्र में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को 19 अगस्त को रक्षाबंधन एवं 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के त्यौहार पर अवकाश की स्वीकृति प्रदान की है। अवकाश की स्वीकृति निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बैंकिंग संगठनों ने राज्य के अन्य कर्मचारियों की तरह बैंकों के अधिकारी और कर्मचारियों को भी रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टी के त्यौहार मनाने के लिए अवकाश प्रदान करने की मांग की थी।

मैहर जिले में अब तक 696.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 16 अगस्त 2024 तक 696.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 729.5 मि.मी., मैहर में 663.1 मि.मी. एवं रामनगर में 697.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

स्वतंत्रता दिवस एवं विभाजन विभीषिका दिवस मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान लक्ष्मणपुर-सगरा में स्वतंत्रता दिवस एवं विभाजन विभीषिका दिवस का तीन दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की स्वतंत्रता एवं विभाजन के समय जो संकट झेला गया उसकी छायाचित्र के साथ प्रदर्शनी लगाकर प्रस्तुतीकरण किया गया ताकि युवाओं एवं आमजन में स्वतंत्रा प्राप्त करने में बलिदान और उसके संघर्ष को याद किया जा सके।

कार्यकम के मुख्य अतिथि सौरभ पहाड़िया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अमित सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सूत्रधार एलडीएम जगमोहन रहे। ध्वजारोहण के पश्चात कार्यकम में शहीदों के बलिदान को याद करते हुए वक्ताओं ने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा की बात कहीं। उन्होने कहा कि हम विभाजन की विभिषिका को नहीं भूल सकते और देश को मिली आजादी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। संस्थान के निदेशक एम. जे. राव ने सभी प्रशिक्षार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए स्वरोजगार की स्थापना करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रोजगार मेले में 10 कंपनियों ने 200 युवाओं का विभिन्न पदों पर किया चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश संकल्प योजना कार्यक्रम के तहत जिले में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला रोजगार कार्यालय द्वारा रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में जिला रोजगार कार्यालय एवं टीआरएस कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन टीआरएस कालेज में किया गया। जिसमें 532 बेरोजगार युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया। मेले में निजी क्षेत्र की शामिल 10 कंपनियों ने 200 युवाओं का चयन कर उन्हें आफर लेटर प्रदान किये।

उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नियमित रूप से रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार रीवा जिले में प्रति माह के तृतीय शुक्रवार को तथा मऊगंज जिले में प्रति माह के प्रथम गुरूवार को रोजगार मेला नियमित रूप से आयोजित होगा। मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां तथा संस्थाएं शामिल होकर युवाओं का चयन करती हैं। रोजगार के इच्छुक युवाओं का सबसे पहले पंजीयन किया गया। इसके बाद कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु तथा वेतनमान के आधार पर युवाओं का चयन किया गया। विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के संभागीय समन्वयक डॉ. अच्युत पाण्डेय ने युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए मार्गदर्शन दिया।

उप संचालक दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में शिवराज ड्रम्स एण्ड कन्टेनर्स प्रा. लि. कल्याण मुम्बई में 2, प्राइम इंजीनियरिंग में 4, आशिदा इलेक्ट्रीशियन ठाणे मुंबई में 8, गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लि. में 3, वाटर फील्ड टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. ठाणे मुंबई में एक, कनेक्टवेल डोबिवली में 5, व्योमन इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्रा.लि. बोरीवली में 11, रीवेन्ट प्रेसीजन इंजीनियरिंग लि. धरूहेरा हरियाणा में 25, ग्रेट गेलियन वेन्चर्स लि. (आईसेक्ट) रीवा में 28, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 31, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 42, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स लि. रीवा में 25, कनोडिया ब्रादर्स पेट्रोल पंप रीवा में 5 तथा एल एण्ड टी कान्स्ट्रक्सन स्किल्स अहमदाबाद गुजरात में 10 युवाओं का चयन किया गया।

जिला स्तरीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयुष्मान भारत योजना एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा दस्तक अभियान के अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष के बच्चों में जन्मजात विकृति जन्मजात ह्मदय रोग से ग्रसित मरीजों के निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जिला अस्पताल बिछिया में 17 अगस्त को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया है।

कैम्प में आपोलो सेज हॉस्पिटल भोपाल के ह्मदय रोग विशेषज्ञ निःशुल्क परीक्षण करेंगे। उल्लेखनीय है कि चिन्हित हितग्राहियों को शिविर का निःशुल्क लाभ लेने हेतु बच्चों की निःशुल्क सर्जरी की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।